Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -298 शनिवार ,03 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

अपनी शक्ति को छोटा न समझो,एक छोटी सी चिंगारी विशाल वन को जलाकर राख कर देती है।
-स्वेट मार्डेन-

समंदर में अनंत चुनौतियां,भारत का जवाब है विक्रांत, प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सौंपा स्वदेशी 'बाहुबली'

नई दिल्ली, 02 सितम्बर 2022। भारतीय नौसेना के लिए आज दिन अहम है। नौसेना में पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत शामिल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में इसे देश को समर्पित कर दिया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद हैं।

आईएनएस विक्रांत को भारतीय नौसेना में शामिल करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां केरल के समुद्री तट पर भारत, हर भारतवासी, एक नए भविष्य के सूर्योदय का साक्षी बन रहा है। विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है। ये 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आईएनएस विक्रांत पर हो रहा ये आयोजन विश्व क्षितिज पर भारत के बुलंद होते हौसलों की हुंकार है।

पीएम मोदी ने नौसेना में महिलाओं को शामिल किए जाने को लेकर कहा कि अब भारतीय नौसेना ने अपनी सभी शाखाओं को महिलाओं के लिए खोलने का फैसला किया है। जो पाबंदियां थीं वो अब हट रही हैं। जैसे समर्थ लहरों के लिए कोई दायरे नहीं होते, वैसे ही भारत की बेटियों के लिए भी अब कोई दायरे या बंधन नहीं होंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि यदि लक्ष्य दुरन्त हैं, यात्राएं दिगंत हैं, समंदर और चुनौतियां अनंत हैं- तो

भारत का उत्तर है विक्रांत। आजादी के अमृत महोत्सव का अतुलनीय अमृत है विक्रांत। आत्मनिर्भर होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत।

पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत के हर भाग की अपनी एक खूबी है, एक ताकत है, अपनी एक विकासयात्रा भी है। ये स्वदेशी सामर्थ्य, स्वदेशी संसाधन और स्वदेशी कौशल का प्रतीक है। इसके एयरबेस में जो स्टील लगी है, वो स्टील भी स्वदेशी है।

एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत की कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'अमृतकाल' के प्रारंभ में आईएनएस विक्रांत की कमीशनिंग अगले 25 वर्षों में राष्ट्र की सुरक्षा के हमारे मजबूत संकल्प को दर्शाती है। आईएनएस विक्रांत आकांक्षाओं और आत्मनिर्भर भारत का एक असाधारण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत के आने से नौसेना की ताकत बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि आप सभी नौसेना की परंपराओं से अवगत हैं, ओल्ड शिप्स नेवर डाई। 1971 के युद्ध में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले विक्रांत का यह नया अवतार, 'अमृत-काल' की उपलब्धि के साथ-साथ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और बहादुर फौजियों को भी एक विनम्र श्रद्धांजलि है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम एक मुक्त, खुला, समावेशी इंडो-पैसिफिक में विश्वास रखते हैं। इस संबंध में हमारे प्रयास प्रधानमंत्री की दृष्टि स्त्रक्र यानी सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन दा रीजन' से निर्देशित है।

किसी के सामने अश्लील हरकत करना भी यौन शोषण, कोर्ट ने 60 साल के शख्स को सुनाई सजा

मुंबई , 02 सितम्बर 2022। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बाल यौन शोषण के एक मामले में 60 वर्षीय आरोपी को दोषी ठहराते हुए कहा कि किसी अन्य व्यक्ति की उपस्थिति में अश्लील हरकत करना उसके यौन इरादे स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है। बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) कानून के लिए विशेष न्यायाधीश प्रिया बनकर ने 29 अगस्त को आरोपी को दोषी ठहराया और उसे एक साल के कारावास की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार 4 साल का पीड़ित बच्चा जब अपने घर के पास आरोपी की सिलाई की दुकान पर गया तो उसने देखा कि आरोपी अश्लील हरकत कर रहा है। आरोपी के वकील ने दलील दी कि उसने लड़के को दुकान पर नहीं बुलाया था और न ही वह लड़के के पास गया था।अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह सच है कि बच्चे ने गलती से उस आदमी की हरकत देखी ली लेकिन आरोपी की दुकान छोटी है और बगल से गुजरने वाला कोई भी राहगीर उसकी हरकत देख सकता था।

अदालत ने कहा कि इस घटना का पीड़ित, उसके परिवार के सदस्यों और यहां तक ??कि समाज पर भी बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है तथा ऐसी धारणा है कि घर और आसपास के क्षेत्र बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। अदालत ने कहा कि इससे समाज में एक खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बाद 60 वर्षीय आरोपी को दोषी ठहराते हुए 1 साल की सजा सुना दी गई।

Haryana Politics

पंजाब की राह पर हरियाणा कांग्रेस,आजाद व हुड्डा की मुलाकात पर गरमाई पार्टी की सियासत

चंडीगढ़, 02 सितम्बर 2022। हरियाणा में कांग्रेस पड़ोसी राज्य पंजाब की राह पर है। पंजाब में जिस तरह से कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू की लड़ाई ने कांग्रेस में बिखराव पैदा कर दिया है, ठीक उसी तरह के हालात हरियाणा में बन रहे हैं।

पंजाब के पड़ोसी राज्य जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस आपसी कलह की वजह से पूरी तरह बिखर चुकी है। हरियाणा में भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा की लड़ाई ने कांग्रेस को बिखराव की राह पर लाकर खड़ा कर दिया है। हुड्डा की गुलाम नबी आजाद से हुई मुलाकात ने कांग्रेस की इस लड़ाई में आग में घी डालने जैसा काम किया है।

हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्षा कुमारी सैलजा जहां हुड्डा के खिलाफ कांग्रेस हाईकमान को चिट्ठी लिख चुकी हैं, वहीं कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने शुक्रवार को भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर हमला बोला है।

कुलदीप बिश्नोई अपने धुर विरोधी भूपेंद्र हुड्डा पर पार्टी में एकछत्र कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को अलविदा कह चुके हैं। कांग्रेस विधायक दल की पूर्व नेता किरण चौधरी भी आजकल हुड्डा से अलग राह चल रही हैं। उन्होंने हुड्डा के विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम के विरोध में हरियाणा में अलग से किरण कार्यकर्ताओं के द्वार अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की दिल्ली की अलग राजनीति है। पूर्व सिंचाई मंत्री कैप्टन अजय यादव भी हुड्डा के विरोधियों की सूची में शामिल हैं। गुलाम नबी आजाद से मुलाकात के बाद हुड्डा ने भले ही सफाई दी है।

कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर अमिताभ बच्चन की हुई वापसी

मुंबई , 02 सितम्बर 2022। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का कोविड-19 टेस्ट नेगेटिव आया है. कोरोना को मात देकर उन्होंने पॉपुलर क्विज-बेस्ड रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर वापसी की है. इसकी जानकारी खुद बिग बी ने सोशल मीडिया पर अपने ब्लॉग के जरिए फैंस को दी.

अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग में लिखा, ÷लिखने में देरी हुई क्योंकि (मैं) काम के पहले दिन के बाद आराम करना चाहता था. केबीसी के लिए सेट पर वापस आ गया हूं और बाद में विस्तार करूंगा. हाहा.. लव एंड लव.÷'हू वॉन्ट्स टू बी ए मिलियनेयर?' फ्रैंचाइजी का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण 'कौन बनेगा करोड़पति' है.केवल शो के तीसरे सीजन को छोड़कर, इस शो को बिग बी 2000 से होस्ट कर रहे हैं. तीसरे सीजन को सुपरस्टार शाहरुख खान ने होस्ट किया था.

वर्कफ्रंट की बात करें तो, अमिताभ बच्ची की अपकमिंग फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' जल्द ही रिलीज होने वाली है, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट (द्यद्बह्व हैं. वह प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत 'उंचाई, 'गुड बाय' और 'प्रोजेक्ट के' में भी नजर आएंगे।

शादी में पापड़ को लेकर मचा बवाल,आपस में भिड़े घराती और बराती,जमकर चले लात-घूंसे

केरल , 02 सितम्बर 2022। शादी-ब्याह में अक्सर आपने दहेज को लेकर मारपीट की खबर जरूर सुनी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि कोई शादी महज एक पापड़ के लिए दंगल का मैदान बन जाए.

दरअसल, सोशल मीडिया पर बारातियों का एक हैरान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बाराती पापड़ के लिए आपस में लड़ पड़ते है और एक-दूसरे पर जमकर लात-घूसे बरसाने लगते हैं. बताया जाता है कि केरल (Kerala) के अलाप्पुझा में एक शादी समारोह में दूल्हे के परिवार के कुछ सदस्यों ने पापड़ मांगे, लेकिन पापड़ खत्म होने का हवाला देते हुए उन्हें दोबारा पापड़ देने से इनकार कर दिया गया.

मेहमानों को शादी की दावत में पापड़ नहीं देने पर लड़का और लड़की पक्ष में जमकर मारपीट हुई. इस घटना में 6 लोग घायल हो गए. अब इस पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

रिश्तेदार बनने से पहले मारपीट

खबरों के मुताबिक ये पूरा विवाद एक्सट्रा 'पापड़' मांगने से शुरू हुआ. लड़ाई तब शुरू हुई जब दूल्हे के परिवार के कुछ सदस्यों ने एक्सट्रा 'पापड़' मांगा, लेकिन उन्हें मना कर दिया गया. जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई. वायरल वीडियो में लोग एक-दूसरे को जूते-चप्पल से मारते नजर आ रहे हैं. लोगों ने एक-दूसरे को मारने के लिए कुर्सियों और मेजों का भी इस्तेमाल किया.

इस वीडियो को Rakesh Krishnan Simha नाम के अकाउंट से ट्विटर पर शेयर किया गया है. इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है- 100% साक्षर राज्य केरल में दावत के दौरान दूल्हे के दोस्तों द्वारा पापड़ की मांग करने के बाद एक शादी में लड़ाई छिड़ गई.

लिंगायत सेक्स स्कैंडल :

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया आरोपी संत

चित्रदुर्ग, 02 सितम्बर 2022। नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किए गए लिंगायत संत डॉ मुरुघ शिवमूर्ति शरणारू को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी द्रष्टा को गुरुवार रात उसकी गिरफ्तारी के बाद एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। बाद में उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया जिसके बाद उसे जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश बी.के. कोमल के समक्ष पेश किया गया।

आरोपी संत के वकील उमेश ने कहा कि शुक्रवार को अदालत में एक याचिका दायर की जाएगी। उन्हें एक या दो दिनों में जमानत मिल जाएगी।

वकील उमेश ने दावा किया कि जेल अधिकारियों ने उन्हें संत से मिलने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, ÷अगर पुलिस आरोपी संत को हिरासत में लेने के लिए याचिका दायर करती है तो याचिका का विरोध किया जाएगा।÷

राज्य के राजस्व मंत्री आर. अशोक ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि कानून मामले के संबंध में अपनी कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷मठों का बहुत सम्मान है। इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। देश के कानून की अपनी गरिमा है।÷

इस बीच, तीन अन्य आरोपियों के लिए तलाशी अभियान जारी है, जो अदालत में अपनी जमानत याचिकाओं को स्थगित कर फरार हो गए हैं।

पुलिस ने हॉस्टल वार्डन रश्मि को भी हिरासत में ले लिया है।

संत की गिरफ्तारी के बाद, अधिकारियों ने चित्रदुर्ग मठ की जिम्मेदारी महंत रुद्र स्वामीजी को सौंप दी है। लिंगायत संत पर महिला वार्डन, जूनियर पोंटिफ और अन्य स्टाफ की मदद से 15 और 16 साल की नाबालिग लड़कियों के साथ रेप करने का आरोप है।

लड़की को ब्लैकमेल करने के आरोप में 2 गिरफ्तार

श्रीनगर ,02 सितंबर 2022। महिलाओं पर अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने एक लड़की को ब्लैकमेल करने, पैसे वसूलने और उसका वीडियो व्हाट्सएप पर शेयर करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, पुलिस को श्रीनगर के शुंगलीपोरा इलाके के एक निवासी से एक लिखित शिकायत मिली, जिसमें कहा गया था कि उसकी भतीजी का एक अश्लील वीडियो अब्दुल मजीद भट के बेटे दानिश मजीद भट और नूरबाग निवासी आदिल अहमद राथर नाम के दो लड़कों ने रिकॉर्ड किया था।

उन्होंने कहा, बाद में, उन्होंने उस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए पीड़ित लड़की से पैसे की मांग की और बाद में दोनों आरोपियों ने इसे शांगिलीपुरा के कुछ लोगों के बीच व्हाट्सएप पर भी शेयर कर दिया।

पुलिस ने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया गया।

निजी कंपनी के 7 कर्मचारियों ने एक साथ खाया जहर,सभी की हालत नाजुक

कंपनी ने सभी को जॉब से निकाल दिया था

इंदौर, 02 सितम्बर 2022। एमपी की आईटी सिटी इंदौर से इस वक्त की बड़ी सामने आई है। इंदौर में एक निजी कंपनी के 7 कर्मचारियों ने एक साथ जहर खा लिया है। जहर खाने से सभी कर्मचारियों की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी का एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा है। कंपनी ने सभी को जॉब से निकाल दिया था। इससे आहत होकर सभी ने एक साथ जहर खाकर जान देने की कोशिश की। इंदौर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

एक के बाद एक 4 चौकीदार की हत्याः सभी का एक ही तरीके से मर्डर, समय भी एक, हत्यारा रात में आया और सो रहे चौकीदार के सिर पर वार कर मौत की नींद सुलाकर आराम से चलते बना, पुलिस ने स्कैच जारी किया, पढ़िए ये मर्डर मिस्ट्री

इंदौर के परदेशीपुरा थाना अंतर्गत राजकुमार पुल के पास स्थित अजमेरा वेयर कम्पनी में गुरुवार सुबह अफरातफरी का माहौल बन गया, जब यहाँ पहुंचे सात कर्मचारियों ने कम्पनी प्रबंध्दक को बताया कि उन सभी ने जहरीले पदार्थ का सेवन किया है। उन सभी की हालत नाजुक है। इससे पहले उन्होंने जमकर हंगामा भी किया और तोड़फोड़ भी की। हालांकि कर्मचारियों की हालत को देखते हुए प्रबंधन ने एम्बुलेंस की मदद से सभी सातों कर्मचारियों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। सभी का इलादज जारी है। वहीं परदेशीपुरा थाना पुलिस पूरे मामले में जाँच की बात कह रही है।

दरअसल इंदौर के परदेशीपुरा थाना इलाके में अजमेरा वेयर नामक कम्पनी है। यहां किचन ट्रॉली और इसमें उपयोग होने वाली सामग्री का निर्माण होता है। यह कम्पनी पिछले कुछ माह से घाटे में चल रही थी। लिहाजा प्रबंधन ने यह उत्पाद पर रोक और कमी लगाने का निर्णय ले लिया था। इसके बाद यहां कार्यरत कुछ कर्मचारियों को दूसरी कम्पनी ट्रांसफर करने के सूचना दी थी। वहीं यह सभी कर्मचारी इसी कम्पनी में काम करना चाहते थे। इसीलिए दबाब भी बना रहे थे। वहीं प्रबंधन लगातार उन्हें समझने का प्रयास कर रहा था।

दुधवा में लीवर की समस्या से हुई हथिनी की मौत

लखीमपुर खीरी ,02 सितंबर 2022। उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) में लीवर की समस्या के चलते हथिनी तुंगा की मौत हो गई।

तुंगा को 2018 में कर्नाटक से 10 अन्य हाथियों के साथ लाया गया था। डीटीआर के निदेशक संजय पाठक ने कहा, तुंगा को लीवर की समस्या थी।

विसरा को संरक्षित कर लिया गया है और जांच के लिए बरेली के आईवीआरआई भेजा जाएगा। पाठक ने कहा कि युवा होने के कारण तुंगा को अभी तक पूर्णकालिक नौकरी पर तैनात नहीं किया गया था।

दक्षिणी राज्य से लाए जाने के बाद, अन्य हाथियों के साथ तुंगा का भी हिंदी में क्रैश कोर्स हुआ था, क्योंकि वे कर्नाटक में वन कर्मचारियों से स्थानीय भाषा में निर्देश प्राप्त करने की आदी थी।

झारखंड में जारी सियासी संकट के बीच मुख्यमंत्री पर कार्यवाही का ब्यौरा लेकर दिल्ली पहुंचे राज्यपाल रमेश बैस

केंद्र को सौंप सकते हैं रिपोर्ट

नई दिल्ली/रांची, 02 सितम्बर 2022। झारखंड में सियासी संकट के बीच राज्य राज्यपाल रमेश बैस दिल्ली पहुंचे है. बता दें कि झारखंड के राजनीतिक हालात को लेकर इन दिनों सियासी गलियारों में गर्मागर्मी हैं. मुख्यमंत्री सोरेन बहुमत साबित करने में जुटे है. वहीं उन पर कार्यवाही को लेकर आज झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस केंद्र को रिपोर्ट सौंप सकते हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सदस्यता को लेकर बरकरार संशय पर झारखंड राज्यपाल का ये दिल्ली दौरा बेहद अहम माना जा रहा है।

उधर कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को कल एक ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि मीडिया में चल रही खबरों के मुताबिक संविधान के अनुच्छेद 192 (1) के तहत जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 9-ए के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया गया है. ऐसी खबरें राजभवन के सूत्रों के हवाले से चल रही हैं. इससे राज्य में अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गयी है और लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गयी सरकार को अस्थिर करने के लिए राजनीतिक द्वेष को प्रोत्साहन मिल रहा है. इसलिए वो राजभवन से स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह कर रहे हैं.

बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अवैध रूप से खनन लाइसेंस प्राप्त करने का आरोप है और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके इस्तीफे की मांग की है. सत्तारूढ़ गठबंधन ने गुरुवार को बैस को भ्रम को शांत करने और अवैध तरीकों से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने के प्रयासों को समाप्त करने के लिए कहा. इसने उनसे अनुरोध किया कि यदि चुनाव आयोग से प्राप्त होता है तो वे तुरंत राय घोषित करें।

संपादकीय

कांग्रेस के पॉवर ब्रोकर

जब कांग्रेस ने समझ लिया है कि वर्तमान दौर में विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए सड़कों पर उतरना ही रास्ता है, सुख-सुविधा बढ़ाने के मकसद से राजनीति में लोगों का अलग रास्ता ढूंढना स्वाभाविक ही है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सौवीं वर्षगांठ के मौके पर दिसंबर 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में सत्ता के दलालों (पॉवर ब्रोकर्स) ने गहरी पैठ बना ली है, जिनसे पार्टी को मुक्त कराना उनका मकसद है। बाद का अनुभव यह रहा कि राजीव गांधी पार्टी से पॉवर ब्रोकर्स को तो दूर नहीं कर पाए, उलटे सत्ता के दलालों ने उन्हें अपने गहरे प्रभाव में ले लिया। तब से कांग्रेस के कर्ता-धर्ता पॉवर ब्रोकर्स और दरबारी ही रहे हैं। उन ब्रोकर्स ने कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन असल में पार्टी के पास सत्ता ही नहीं रहेगी। अधिक से अधिक उनका अनुमान यह होगा कि आम लोकतांत्रिक प्रणाली के तहत अगर कभी पार्टी सत्ता से बाहर हुई, तो फिर अगले चुनावी चक्र में वापस भी आ जाएगी। उन्हें इसका तो कतई भान नहीं रहेगा कि एक दिन एक ऐसी सरकार बन जाएगी, जिसे आम चुनावी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हराना दुष्कर नजर आने लगेगा और विपक्ष में रहना जोखिम भरा हो जाएगा।

अब जबकि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने समझ लिया है कि वर्तमान सरकार के दौर में विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए सड़कों पर उतरना और लंबी पद यात्रा पर जाना ही रास्ता है, तो जो लोग सुख-सुविधा कायम रखने और उसे बढ़ाने के मकसद से राजनीति में आए हैं, उनका अपने लिए अलग स्थान और रास्ता ढूंढना स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसीलिए कांग्रेस को गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, उनके पहले कई दूसरे नेताओं के पार्टी छोड़ने और आनंद शर्मा जैसे नेताओं की नाराजगी पर शोक नहीं मनाना चाहिए। असल मे ऐसे नेता कोई समाधान नहीं, बल्कि कांग्रेस की आज की समस्या का एक बड़ा कारण हैं। उन्हें उनके फैसले पर छोड़ कर पार्टी को अपनी नई राह पर आगे बढ़ना चाहिए। इस राह में उसे नए साथी और नए रहबर मिलेंगे। इस राह में पार्टी को नई ताकत और नई जान मिलने की पूरी संभावना है। शर्त सिर्फ यह है कि इस राह पर कांग्रेस ईमानदारी और पूरी गंभीरता से चले। राहुल गांधी ने इसे तपस्या कहा है, तो उम्मीद है कि वे और उनके साथी इसमें खरा उतरने के लिए बलिदान देने को तैयार होंगे, जो पॉवर ब्रोकर्स के वश की बात नहीं है।

ईडी-सीबीआई से जाँच का डर

तुषार शर्मा नादान
राजिम छत्तीसगढ़

आजकल के राजनीतिक उठापटक के माहौल में बड़े बड़े अफसरों और नेताओं के मन में बहुत ही ज्यादा खौफ़ देखने को मिल रहा है, और ये बातें इनके लिए इतनी ज्यादा भयावह बन चुकी हैं कि इनका नाम लेते ही बड़े बड़े नेताओं का हलक सूख सा जाता है।

इन बातों के मूल में स्थित हैं दो एजेंसी- पहला है प्रवर्तन निदेशालय अर्थात् सरल शब्दों में ईडी और दूसरा है केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)। ये नाम से जितने प्रभावपूर्ण लगते हैं, इनका काम भी उतना ही प्रभावी है। प्रवर्तन निदेशालय, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन एक विशेष वित्तीय जॉच एजेन्सी है जिसका मुख्यालय नयी दिल्ली में स्थित है तथा जिसकी स्थापना 01 मई 1956 को हुई। इसका मुख्य कार्य आर्थिक मामलों की जॉच करना एवं मामला संदेहास्पद होने पर संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार भी इसके पास है। प्रवर्तन निदेशालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं, जिनमें यह संदिग्ध मामलों की जॉच करता है उनमें से कुछ प्रमुख मामले इस प्रकार हैं- निर्यात मूल्य को अधिक ऑकना और आयात मूल्य को कम ऑकना, हवाला लेनदेन, विदेशों में संपत्ति की खरीद, भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा का कब्जा, विदेशी मुद्रा का अवैध व्यापार, विदेशी विनिमय नियमों का उल्लंघन आदि। ईडी के पास दोषी पाए गए दोषियों की संपत्ति कुर्की करने की शक्ति है। कुल मिलाकर श्वष्ठ देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यवाही करता है। वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) रोबर्ट वाड्रा, भगोड़े अपराधी विजय माल्या और नीरव मोदी के मामलों की जॉच कर रहा है, इसके अलावा हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के निकट सहयोगी को अपने मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा। इसके अलावा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गॉधी और सांसद राहुल गॉधी से नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई घंटों तक लंबी पूछताछ की गई और नेशनल हेराल्ड के दफ्तर को सील करने जैसे निर्णय के चलते भी यह एजेंसी सुर्खियों में है। ईडी की पूछताछ के चलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर प्रदर्शन किया था। शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी भी ईडी की ताकत को दर्शाती है।

कुछ ऐसा ही प्रभाव सीबीआई का भी है, सीबीआई भारत सरकार की प्रमुख जाँच एजेन्सी है। यह आपराधिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के मामलों की जाँच करने के लिये नियत की गई है। यह कार्मिक एवम् प्रशिक्षण विभाग के अधीन कार्य करती है। यह दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से अपनी विशिष्ट शक्तियाँ प्राप्त करता है। इसकी महत्वपूर्ण भूमिका भ्रष्टाचार को रोकने और प्रशासन में अखंडता बनाए रखने के लिए है। सीबीआई एक बहुत ही विश्वसनीय एजेंसी है जिसके तहत आर्थिक अपराध से संबंधित विशेष जांच का जिम्मा दिया जाता है। सीबीआई प्रमुख वित्तीय और आर्थिक घोटालों और धोखाधड़ी की जांच करती है जिसमें नकली भारतीय मुद्रा नोट, साइबर अपराध, बैंक धोखाधड़ी, आयात-निर्यात और विदेशी मुद्रा से संबंधित उल्लंघन, और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों के अपराध, या तस्करी से संबंधित अपराध शामिल हैं।

बहरहाल मुद्दा यह है कि इनको जो शक्तियाँ प्राप्त हैं उनका उपयोग यदि देखा जाय तो राष्ट्र को भ्रष्टाचार मुक्त कराने एवं अपराध रहित वातावरण निर्मित करने के लिए किया जाता है, किंतु आजकल तथाकथित यह तथ्य सुनने को मिलता है कि इन एजेंसी पर यह आरोप भी लगते रहे हैं कि यह एजेंसी सरकार के इशारे पर उसके विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम करती है, इस बात में सत्यता का नामोनिशान दिखाई नहीं पड़ता वरन कहने वाले के मन मस्तिष्क में इसके प्रति भय का आवेग जरूर नज़र आता है। हाँ यह संभवतः हो सकता है कि किसके खिलाफ जॉच करनी है इसका आदेश सरकार के माध्यम से प्राप्त होता हो, किंतु सत्य को प्रमाण की आवश्यकता ही क्या है!? ये एजेंसी निष्पक्ष रूप से अपना कार्य करती हैं और इनसे डर उन्हीं को लगाना चाहिए जो स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, जिनके हाथ दूध से धुले हुए हैं उन्हें इनसे या इनकी कार्यवाही से डरने की आवश्यकता ही क्या है!? विभिन्न राज्यों में जब भी सत्ता की उठापटक होती है तो हॉर्स ट्रेडिंग या विधायकों की खरीद फरोख्त जैसे तथाकथित आरोप लगते रहते हैं तथा टूटने वाली पार्टी कहती है कि हमें सरकार द्वारा ईडी और सीबीआई की कार्यवाही का डर दिखाया जाता है, और हमें खरीदने की कोशिश भी की जाती है!! यहां प्रश्न यह है उन पार्टियों से तथा उन नेताओं से कि यदि आपका दामन पाक़ साफ है और यदि आप राष्ट्रसमर्पित जनसेवक हैं, तो फिर आपको ऐसी कार्यवाहियों और ऐसे प्रलोभनों से घबराने की क्या जरूरत!?? आपको तो छाती ठोक कर इनका सामना करना चाहिए। यदि आप अपने स्वयं के छवि और कार्यों को लेकर पूर्णतः ईमानदार हैं तो कोई आपको तोड़ना तो दूर आप पर ऊंगली भी नहीं उठा सकता, चाहे वह सरकार की कितनी भी प्रभावी एजेंसी ही क्यों न हो।

खैर अंत में वह कहावत बार बार याद आ रही है कि %चोर की दाढ़ी में तिनका!% सच्चे सेवाभावी और राष्ट्रभक्त नेता व अफसरों को कर्तव्यपथ से कोई डिगा नहीं सकता, और जो नेता अफसर भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं उन्हें कोई बचा नहीं सकता। मन में डर का होना और दरबदर होना निश्चित ही आपकी छवि पर प्रश्नसूचक चिह्न लगाएगा ही। बाकी तो जनता जनार्दन मूकदर्शक बनकर सब कुछ देख ही रही है।

जय हिंद जय भारत

भ्रष्टाचार के भवन को कौन गिराएगा ?

सुपरटेक द्वारा निर्मित नोएडा के दो संयुक्त टावरों का गिराया जाना अपने आप में एतिहासिक घटना है। पहले भी अदालत के आदेशों और सरकारों के अपने हिसाब से कई इमारतें भारत के विभिन्न प्रांतों में गिराई गई हैं लेकिन जो इमारतें कुतुब मीनार से भी ऊंची हों और जिनमें 7000 लोग रह सकते हों, उनको अदालत के आदेश पर गिराया जाना सारे भारत के भ्रष्टाचारियों के लिए एक कड़वा सबक है। ऐसी गैर-कानूनी इमारतें सैकड़ों-हजारों की संख्या में सारे भारत में खड़ी कर दी गई हैं।

नेताओं और अफसरों को रिश्वतों के दम पर ऐसी गैर-कानूनी इमारतें खड़ी करके मध्यमवर्गीय ग्राहकों को अपने जाल में फंसा लिया जाता है। वे अपना पेट काटकर किश्तें भरते हैं, बैंकों से उधार लेकर प्रारंभिक राशि जमा करवाते हैं और बाद में उन्हें बताया जाता है कि जो फ्लेट उनके नाम किया गया है, अभी उसके तैयार होने में काफी वक्त लगेगा। लोगों को निश्चित अवधि के दस-दस साल बाद तक उनके फ्लेट नहीं मिलते हैं।

इतना ही नहीं, नोएडा में बने कई भवन ऐसे हैं, जिनके फ्लेटों में बेहद घटिया सामान लगाया गया है। ये भवन ऐसे हैं कि जिन्हें गिराने की भी जरुरत नहीं है। वे अपने आप ढह जाते हैं, जैसे कि गुड़गांव का एक बहुमंजिला भवन कुछ दिन पहले ढह गया था। नोएडा के ये संयुक्त टावर सफलतापूर्वक गिरा दिए गए हैं लेकिन भ्रष्टाचार के जिन टावरों के दम पर ये टावर खड़े किए गए हैं, उन टावरों को गिराने का कोई समाचार अभी तक सामने नहीं आया है।

जिन नेताओं और अफसरों ने ये गैर-कानूनी निर्माण होने दिए हैं, उनके नामों की सूची उ.प्र. की योगी सरकार द्वारा तुरंत जारी की जानी चाहिए। उन नेताओं और अफसरों को अविलंब दंडित किया जाना चाहिए। उनकी पारिवारिक संपत्तियों को जब्त किया जाना चाहिए। जो नौकरी में हैं, उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए। जो सेवा-निवृत्त हो गए हैं, उनकी पेंशन बंद की जानी चाहिए।

अदालतों को चाहिए कि उनमें से जो भी दोषी पाए जाएं, उन अधिकारियों को तुरंत जेल भेजा जाए। कुछ नेताओं और अफसरों को चौराहों पर खड़े करके हंटरों से उनकी चमड़ी भी उधेड़ दी जाए ताकि भावी भ्रष्टाचारियों के रोंगटे खड़े हो जाएं। यदि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यदि यह करतब करके दिखा सकें तो उनकी छवि 'भारत के महानायक' की बन जाएगी। इन 30-30 मंजिला भवनों को बनाने की इजाजत देनेवाली 'नोएडा अथारिटी' को सर्वोच्च न्यायालय ने 'भ्रष्ट संगठन' की उपाधि से विभूषित किया है।

यदि केंद्र और उप्र सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी मारे रखे तो मैं अपने पत्रकार बंधुओं से आशा करुंगा कि इन गैर-काननी भवनों के निर्माण-काल में जो भी मुख्यमंत्री, मंत्री और अधिकारी रहे हों, वे उनकी सूची जारी करें और उनके भ्रष्टाचार का भांडा फोड़ करें। अदालतों में बरसों तक माथाफोड़ी करने की बजाय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ याने खबरपालिका को इस समय सक्रिय होने की जरुरत है। ईंट-चूने के गैर-कानूनी भवनों को गिराना तो बहुत सराहनीय है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरुरी है- भ्रष्टाचार के भवन को गिराना! किसकी हिम्मत है, जो इसको गिराएगा?

-वेद प्रताप वैदिक-

भाजपा को हार हजम नहीं होती!

विकसित और सभ्य लोकतांत्रिक देशों के मुकाबले भारत में कई कमियां हैं। लेकिन एक शानदार खूबी यह है कि यहां हर चुनाव के बाद बहुत शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता का हस्तांतरण होता रहा है। चुनाव चाहे जितनी भी कड़वाहट के साथ लड़ा जाए लेकिन नतीजों के बाद पार्टियां उसे सहज भाव से स्वीकार करती हैं। जीतने के सौ फीसदी भरोसे में बैठी पार्टियां हार जाती हैं और चुपचाप सत्ता से बाहर हो जाती हैं। याद करें अटल बिहारी वाजपेयी का 2004 का चुनाव। खुद वाजपेयी और पूरी पार्टी उस भरोसे में थे कि वे जीत रहे हैं। लेकिन भाजपा से सिर्फ सात सीटें ज्यादा मिलीं कांग्रेस को और वाजपेयी सत्ता छोड़ कर चले गए। उससे भी पहले इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए चुनाव में इंदिरा गांधी ने गरिमापूर्ण ढंग से सत्ता छोड़ी।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद 1989 में राजीव गांधी ने सत्ता छोड़ी।

भारत के लोकतंत्र की वह खूबी अब खतरे में है क्योंकि भाजपा अब हर चुनाव प्रतिष्ठा के चुनाव की तरह लड़ती है, उसका लक्ष्य हर हाल में सत्ता हासिल करना होता है और जहां वह हार जाती है या सत्ता से बाहर हो जाती है वहां वह नतीजे को हजम नहीं कर पाती है। वह जीती हुई या सत्तारूढ़ हुई पार्टी को लगातार अस्थिर करने की कोशिश करती है, जिससे अराजकता की स्थिति पैदा होती है।

-हरिशंकर व्यास-

लेखनी का प्रभाव लिखे

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

सिंधु खोज-खोज मिले पन्ना
पुखराज का ज्ञान
ज्ञान सरिता मे गोते लगाकर गुनी
बने कविराज
बने कविराज जो रचे प्रतिदिन
नवीन कविता
रचे कविता नित,संग समाज का
सुधार लिखे
लिखें समाज मे सबके लिए सम
अधिकार लिखे
सबके अधिकार संगसंग प्रकृति का
मनुहार लिखे
मनुहार लिखें जीवन की संग नवीन
बहार लिखे
बहार लिखे मधुबन की सावन की
फुहार लिखे
फुहारो मे समाहित प्रकृति का नव
श्रृंगार लिखे
लिखे श्रृंगार धरा का,अम्बर की भी
पहचान लिखे
लिखें पहचान मानवता की,समन्दर
की ज्वार लिखे
ज्वार लिखे देशभक्ति का सैनिक
की ललकार लिखे
ललकार लिखे दुश्मनो को,जंग मे
उनकी हार लिखे
हार चढ़े वीरों के गल,हर सैनिक
का परिवार लिखे
परिवार लिखे भारतीय का,सफल ये
संसार लिखे
संसार लिखे जिसमे भारत की
अमिट शान लिखें
शान लिखे तिरंगे की,भारतीय की
पहचान लिखें
पहचान बने जन गण मन,इसकी
अब आन लिखें
आन लिखें राष्ट गौरव का,अपना
अभिमान लिखें
अभिमान लिखें संस्कृति का,बंधुत्व
का भाव लिखें
भाव लिखें गीता का,मानव का
सरल स्वभाव लिखें
स्वभाव लिखे महापुरुषो का,लेखनी
का प्रभाव लिखे

चेहरा पढ़ना सबको नहीं आता

नूर फातिमा खातून नूरी
कुशीनगर उत्तर प्रदेश

चेहरा पढ़ना सबको नहीं आता,
दिल में उतरना सबको नहीं आता
सितारों की तरह सभी बन सकते है
सूरज सा जलना सबको नहीं आता
कोशिश तो सब ही करते रहते हैं,
कि़स्मत बदलना सबको नहीं आता।
चलना, दौड़ना मुश्किल कहां है,
गिरकर सम्भलना सबको नहीं आता
खिलना,महकना तो आम बात है,
हवा में बिखरना सबको नहीं आता।
रब से दुवाएं मांगना आसान है,
चारों पहर तड़पना सबको नहीं आता।
नशे में तो हर कोई शेर बनता है,
होश में बहकना सबको नहीं आता।
अपनी खुशियां तों सब ही मनाते हैं,
गैरों की खुशी में चहकना सबको
नहीं आता।

श्री गणेश स्तुति

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़।

हे! गणपति,गजानन,गौरीसुत।
चंद्रशेखर के लाडले सपूत।।
वंदना करूं चंद्रात,सूर्योदय। डूबे
भाग्य का करो पुनरोदय।।
प्रथम पूज्यनीय मंगल दाता। ज्ञान
और कौशल के विधाता।।
रिद्धि और सिद्धि के वल्लभ। मूढ़
मनुज को दर्शन दुर्लभ।।
नवीन अन्वेषी धन समृद्धि।
सफलता के देवता देते बुद्धि।।
करते दूर जीवन के बाधा। करते हो
परिपूर्ण न देते आधा।।
सुख और शांति शुभकर्ता। दुःख
और गर्व नष्ट सुखकर्ता।।
गणेश लोक करते निवास। पुकारे
कोई पतित आते पास।।
ओम वक्रतुंडाय विख्यात मंत्र। प्रगट
हो जाते यत्र-तत्र यंत्र।।
त्रिशूल,तलवार और अंकुश। अस्त्र
मोदक,परसु,और पाश।।
स्वास्तिक और मोदक प्रतीक।
मुशक सवारी वृहद प्रतीत।।
शुभ और लाभ अद्भुत तनुज। संतुष्टि
की देवी सुता अनूप।।
गणेश,शिव और मुद्गल पुराण। कथा
श्रवण करते शास्त्राण।।
मस्तक,उदर,सूंड नाम प्रवण। चतुर्थ
भुजाएं सदिक प्रमाण।।
चराचर सृष्टि उदर
विचरण।ग्राह्यशक्ति,अणुदृष्टि
महाबुद्धण।।
रक्त,मैल उद्भज गणनायक। आज्ञा
पालक, सगुण लायक।।
अर्पणा अंबा वचन अनुगामी। दयालु
अति पावन स्वामी।।
रक्तभ कुसुम,शमी पत्र प्रिय। नीर
तत्व अधिपति सक्रिय।।
बारह नाम जपुं विद्यारम्भ। मंगल
परिणय सूत्र अक्षरारंभ।।
गणेश चतुर्थी पावन त्यौहार।
धूमधाम स्वर्ग पुरी उजियार।।

भारत में बाल श्रम का विकराल रूप,बगले झांकती मानवाधिकार संस्थाएं

संजीव ठाकुर,
रायपुर,
छत्तीसगढ़

संविधान के अनुसार 18 साल से कम उम्र का बच्चा यदि घरेलू कामों से अलग अन्य कार्यों जैसे कारखाना, होटल हलवाई या अन्य जगह कार्य करता है तो उसे बाल श्रमिक माना जाता है। कानूनी रूप से बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर पूरे भारत सहित अन्य विकासशील देशों में बाल श्रम की बहुतायत पाई गई है। बाल श्रम केवल एक ही रूप में मौजूद नहीं है बल्कि कई अन्य रूपों में भी वह प्रचलित है, इसमें घर पर कार्य करने वाले घरेलू श्रमिकों चाय खाने-पीने की होटलों पर कार्य करते बच्चे पटाखा उद्योगों में दिन रात काम करते बच्चों के छोटे-छोटे शहरों में कचरा कूड़ा बीनते और भीख मांगते बच्चों से कार्य लिया जाना भी बाल श्रम माना जाता है। यह भी कानूनी रूप से अवैध ही है। बाल श्रम मूल रूप से भारत में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, कुपोषण तथा बेरोजगारी जैसे कारण के कारण परिवार के लोगों द्वारा स्वयं अपने बच्चों को बाल श्रम के दलदल में फसा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त समाज में शिक्षा का अभाव, अंधविश्वास जागरूकता का अभाव तथा बच्चों के अधिकार के प्रति जानकारी का नितांत अभाव और बाल श्रम को लागू करने वाली संस्थाओं की कमजोरी के कारण बाल श्रम को बल मिलता है। बाल श्रम रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया में इतनी लंबी तथा महंगी होती है की इस प्रक्रिया पर रोक लगाना लगभग असंभव प्रतीत दिखाई देता है। कई परिवारों में बहुत बच्चे होने के कारण और परिवार के अभिभावकों की असामयिक मृत्यु अथवा बीमारी के कारण बच्चों पर ज्यादा जिम्मेदारी आने से बाल श्रम का सिलसिला शुरू होता है, और वह निर्बाध गति से आगे बढ़ता है। इसमें बच्चों का समाजिक, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, प्रशासनिक जैसे सभी स्तरों पर शोषण होता है। भारत में बाल श्रम इसीलिए भी प्रचलित है क्योंकि बाल श्रमिकों को वयस्क श्रमिक से आधे से भी कम पारिश्रमिक दिया जाता है। बाल श्रमिक बहुत कम दाम पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसलिए इस सिलसिले को रोकने का प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। बालकों के श्रम करने से उनमें मस्तिष्क का तनाव मानवी कुंठा तथा उन्हें दिग्भ्रमित करने की दिशा में कई स्तरों पर शोषण किया जाता है। इस तरह लाखों बच्चे सामाजिक बुराई के शोषण का शिकार होते हैं। बाल श्रम के कारण अनेक विसंगतियां के प्रमाण मिले थे जैसे मानव दुर्व्यवहार, बाल वेश्यावृत्ति जैसे अपराधों में बड़ी संख्या में वृद्धि होती है,और बाल श्रमिकों का जीवन एक दुर्घटना तथा अभिशाप बनकर रह जाता है । समाज के लिए कई परेशानियों का जन्म भी होता है। बाल श्रम करने के पश्चात भी बालकों बालिकाओं को पर्याप्त भोजन नहीं मिलने से वह कुपोषण के भी शिकार होते हैं, और बाद में कई बीमारियों के संवाहक भी बन जाते हैं। जो बालक बालिकाओं की जिंदगी के लिए अत्यंत खतरनाक एवं कष्ट दायक होता है। बाल श्रम रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा कई प्रयास किए बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 का यदि कड़ाई से पालन किया जाए तो बाल श्रम को रोका जा सकता है । इसका क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां ही एकदम ढीली एवं संदेशों से परे नहीं है। इन एजेंसियों में नियोजक द्वारा क्रियान्वयन की जाने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के साथ भ्रष्टाचार करके इसे लालफीताशाही की चादर ओढ़ा दी जाती है। ऐसे में लाखों बच्चे बाल श्रम की आग में झोंक दिया जाते हैं। भारत में बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकार 2009, राष्ट्रीय पोषण मिशन, राष्ट्रीय बाल श्रम निवारण योजनाएं बनाई गई है। इनके क्रियान्वयन में को की लेटलतीफी के कारण लाखों बच्चे अभी भी बाल श्रम में उलझे हुए हैं। अपनी जिंदगी को स्वयं अपने कंधों पर ढोने पर मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में दुनिया भर की मानव अधिकार संस्थाएं क्यों मौन है। इतने कानून बनने के बाद भी बाल श्रमिकों की संख्या हर वर्ष क्यों बढ़ते जा रही है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। बाल श्रमिकों पर जब भी संसद या विधायिका में प्रश्न उठाए जाते हैं तो मानव अधिकार की संस्थाएं क्यों बगले झांकने लगती है। बाल श्रमिक होना और बाल श्रम करवाना दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं। बाल श्रमिक मजबूरी के कारण अपनी आजीविका चलाने के लिए बाल श्रमिक बनता है। पर इनको नियोजन में रखने वाली संस्थाओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। वरना बाल श्रमिक की विभीषिका दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती जाएगी और हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे। बाल श्रमिकों की संख्या को तत्काल रोका जाना चाहिए और इन्हें देश की मुख्यधारा में शामिल किया जा कर देश के विकास में इनका सहयोग लिया जाना चाहिए। अन्यथा आज के ये बच्चे भविष्य के मजबूत नागरिक कैसे बन पाएंगे और एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे हो पाएगा।

हयात की कहानी

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

पलकों के मोतियों में हयात की कहानी है
अल्फाज़ तो खामोश हैं अश्कों की जुबानी है
सोई हुयी हैं ख़ुशियां जागे सभी ग़म हैं
टूटे हुये ख़्वाबों की मीनार पुरानी है
अब इश्क से रंग के इस बेरंग जिंदगी को
कर देंगे नज्र उसके अब दिल ने ये ठानी है
ज़ाया न करेंगे अब पलकों के मोतियों को
तस्बीह बनाके अब इस दिल में सजानी है
होने लगी है अंजुमन रौशन यूं रुह की
अशआर हो कुबूल के बेख़ौफ दीवानी है

मैं एक ऐसी रात हूँ

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

मैं एक ऐसी रात हूँ
जिसकी कोई भोर नहीं
एक लंबी ख़ामोशी हूँ
जिसमें कोई शोर नहीं
सिमटी हूँ ख़ुद में ही मैं
कोई मेरे चारों ओर नहीं
मैं एक चिर बिंदु हूँ
कोई मेरा ओर-छोर नहीं
माथे पे तनाव की रेख हूँ
होंठों पे फैला विभोर नहीं
सीधी सरल मनस्विनी, कोई
आडम्बर घनघोर नहीं

फिर चुनावी दौर है, जुमले उछाले जायेंगे

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

बँटेगी झूठ की खीर, ख्वाब उबालें जायेंगे।
इन खारों ने फिर फूलों का लिबास पहना है,
बचके रहना के आस्तीं में साँप पाले जायेंगे।
लो फिर हम ने सच को सच,झूठ को झूठ कहा,
फिर बेआबरू,हम बज़्म से निकालें जायेंगे।
सियासत में हर नेता बना लंगोटिया यार,
अब कैसे बिन बुलाये मेहमान टाले जायेंगे
किसके हिस्से में क्या आये, रहजनी का माल,
चुनाव के बाद सारे हिसाब देखे भाले जायेंगे।

विमान वाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की क्षमता का प्रदर्शन

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

सृष्टि में युद्ध कोई नया शब्द नहीं है। हजारों वर्ष पूर्व से ही युद्ध होते आ रहे हैं जो अधिकांशतः पारंपरिक युद्ध, अंतरराज्यीय युद्ध हुआ करते थे, जिसमें तीर कमान, डंडे, बाण कुछ छोटे-मोटे अस्त्रों का प्रयोग किया जाता था और उनके वाहक घोड़े, हाथी सहित कुछ पशु हुआ करते थे। भारत में हम रामायण महाभारत इत्यादि ग्रन्थों, पुराणों में बचपन से सुनते आ रहे हैं। परंतु वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में असत्रों शस्त्रों वाहनों का स्थान पूरी तरह प्रौद्योगिकी ने ले लिया है अब युद्ध के लिए भूगोल बाधा नहीं रह गया है जो हमने 9/11 की घटना के रूप में देखा हिंसा अब वैश्विक रूप ले चुकी है। वर्तमान में हम यूक्रेन-रूस, ताइवान-चीन की स्थिति और उससे उत्पन्न तीसरे विश्वयुद्ध के खतरे की बातें हो रही है, इसीलिए आज हर देश अपनी सेना को प्रौद्योगिकी से मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की राह पर चल पड़ा है, चूंकि आज किसी भी देश को रणनीतिक रूप से युद्ध में घेरने के लिए समुद्री क्षेत्र महत्वपूर्ण होता जा रहा है जिसका उदाहरण हम चीन, अमेरिका और रूस की ताकत मीडिया में देख रहे हैं। इसी कड़ी में भारत ने भी अपने आत्मनिर्भर भारत की कड़ी में रक्षा क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए आई एन एस विक्रांत स्वदेशी भारतीय विमान वाहक युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल कर दिया है अब भारत स्वदेशी युद्धपोत बना सकने वाले क्लब में शामिल हो गया है जो भारत के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक है।इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से आई एन एस विक्रांत पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत जिसे 2 सितंबर 2022 को माननीय पीएम के हस्ते भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है की करें तो, पीआईबी के अनुसार भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत चालू होना भारत की आजादी के 75 साल के अमृतकाल के दौरान देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और यह देशके आत्मविश्वास और कौशलता प्रतीक भी है। यह स्वदेशी विमानवाहक पोत देश के तकनीकी कौशल एवंइंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है।विमानवाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की सक्षमता का प्रदर्शन, देश के रक्षा स्वदेशीकरण कार्यक्रमों और %मेक इन इंडिया% अभियान को सुदृढ़ करेगा। आईएनएस विक्रांत के चालू होने के साथ, हमारा देश विश्व के उन विशिष्ट देशों के क्लब में प्रवेश कर गया है जो स्वयं अपने लिए विमान वाहक बना सकते हैं और इस उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का भागीदार बनना सेल के लिए बेहद खुशी की बात है।

साथियों बात अगर हम पड़ोसी और विस्तारवादी मुल्क की दादागिरी पर लगाम लगाने की करें तो, सामरिक अनिश्े चिता के इस युग में खतरों का पूर्वानुमान लगाना उत्े तरोत्े तर कठिन होता जा रहा है। अक्े सर हमें कुछ ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों का भी सामना करना पड़ता है जहां राजनैतिक उद्देश्े यों के साथ आपराधिक मंशा और कृत्े यों का भी समावेश होता है।हमारे कुछ शत्रुओं की विशेषता उनका अदृश्े य, अनाकार विविध, वैश्े विक, घातक और कट्टर स्े वरूप है। इन खतरों का मुकाबला करने के लिए भारत को अपनी संपूर्ण राजनयिक, आर्थिक एवं सैन्े य ताकत का उपयोग करना होगा। समुद्र में विस्तार वादी देश की दादागिरी पर लगाम लगाने और पड़ोसी मुल्कों के शैतानी मंसूबों को ध्वस्त करने के लिए भारतीय नौसेना ने समुद्र में तैरता एक दमदार और खतरनाकएयरफील्ड तैयार कर किया है। भारत का पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनसी विक्रांत अब शामिल हो चुका है, इस एयरक्राफ्ट से विस्तारवादी देश को सबसे ज्यादा तकलीफ तो इस बात की है कि उसका 70 से 80 फीसदी एनर्जी ट्रेड भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजरता है, ऐसे में भारत जब चाहे उसे बाधित कर सकता है। वहीं पड़ोसी मुल्क से निपटने के लिए अरब सागर में भारतीय नौसेना का कैरियर बैटल ग्रुप तो तैनात है, लेकिन बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के इलाके पर अपनी ताकत को बरकरार रखने के लिए जल्द ही एक औरकरियर बैटल ग्रुप तैनात होगा।

साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत की विराटता और क्षमता की करें तो, इस एयरक्राफ्ट कैरियर की विमानों को ले जाने की क्षमता और इसमें लगे हथियार इसे दुनिया के कुछ खतरनाक पोतों में शामिल करते हैं। नौसेना के मुताबिक, यह युद्धपोत एक बार में 30 एयरक्राफ्ट ले जा सकता है। इनमें मिग-29के फाइटर जेट्स के साथ-साथ कामोव-31 अर्ली वॉर्निंग हेलिकॉप्टर्स, एमएच -60 आर सीहॉक मल्टीरोलहेलिकॉप्टर और एचएएल द्वारा निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर भी शामिल हैं। नौसेना के लिए भारत में निर्मित लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट - एलसीए तेजस भी इस एयरक्राफ्ट कैरियर सेआसानी से उड़ान भर सकते हैं।मजेदार बात यह है कि भारत में बने पहले एयरक्राफ्ट कैरियर का नाम आईएनएस विक्रांत रखा गया है। जबकि इससे पहले ब्रिटेन से खरीदे गए भारतके पहले विमानवाहक पोत- एचएमएस हरक्यूलीस का नाम भी आईएनएस विक्रांत ही रखा गया था। बताया जाता है कि इसके पीछे भारत का पहले एयरक्राफ्ट कैरियर के प्रति प्यार और गौरव की भावना है। 1997 में सेवा से बाहर किए जाने से पहले आईएनएस विक्रांत ने पाकिस्तान के खिलाफ अलग-अलग मौकों पर भारतीय नौसेना को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाई थी।

साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत से भारत की प्रतिष्ठा की करें तो, इसके निर्माण से भारत दुनियाके उन छह चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो 40 हजार टन का एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की क्षमता रखते हैं, बाकी पांच देश हैं अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और इंग्लैंड. नौसेना के मुताबिक, आईएनएस विक्रांत के भारत के जंगी बेड़े में शामिल होने से इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने में मदद मिलेगी। हालांकि सबसे पहली और गौर करने वाली बात यह है कि भारत में बने आईएनएस विक्रांत में इस्तेमाल सभी चीजें स्वदेशी नहीं हैं। यानी कुछ कलपुर्जे विदेशों से भी मंगाए गए हैं। हालांकि, नौसेना के मुताबिक, पूरे प्रोजेक्ट का 76 फीसदी हिस्सा देश में मौजूद संसाधनों से ही बना हैं। भारतीय नौसेना को अब अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर %आईएनएस विक्रांत% मिल गया जो माननीय पीएम ने खुद इसको सेवा के लिए नौसेना को सौंपा हैं। विक्रांत भारत में बना सबसे बड़ा युद्धपोत है। नौसेना में इस कैरियर के शामिल होने के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की लिस्ट में भी शामिल हो जाएगा, जिनके पास खुद विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आईएनएस विक्रांत, मेक इन इंडिया- विमान वाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की क्षमता का प्रदर्शन हुआ।भारत विमानवाहक युद्धपोत बना सकने वाले देशोंके क्लब में शामिल हुआ यह भारत के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर लगा पूर्ण विराम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022 (घटती घटना)।,

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन प्रांतीय निकाय के आह्वान पर आज 12 दिन भी पंडाल में शानदार जानदार सैकड़ों समर्थकों के साथियों के भीड़ थी आज के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में संभागीय अध्यक्ष कौशलेंद्र पाण्डेय ,जिला संयोजक कमलेश सोनी के विशेष उपस्थिति में राजस्व पटवारी संघ के श्री कांत चौबे अमितेश स्वर्णकार प्रदेश लिपिक संघ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ से दुर्गेश सिन्हा छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी सघ अखिलेश सोनी आलोक कुशवाहा, चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ से श्री विजेंद्र यादव

वन कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजीत सिंह सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ से श्री अनिल तिवारी राजपत्रित अधिकारी संघ से श्री सीके मिश्रा,वन कर्मचारी संघ अजीत सिंह, न्यायालयीन कर्मचारी संघ से श्री राकेश सोनी नीरज सोनी वीजा खातून रेणु सिंह प्रियंका सिंह संगीता सिन्हा सीमा श्रीवास्तव रबारी खाना मयंक शर्मा रश्मि सिन्हा मेरी ग्रेस वाहन कर्मचारी संघ के बहुत सारे साथी शिक्षक संघ से सुरेंद्र सिंह प्रमोद शर्मा नितेश पांडे, नवीन केशरी, राकेश मिश्रा मनोज तिवारी नगर निगम रितेश कुशवाहा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ सहित सैकड़ों कर्मचारी अधिकारी से खचाखच भरा रहा। फेडरेशन के प्रांतीय निकाय के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री एवं प्रवक्ता श्री रविंद्र चौबे जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी से चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि 6व डीए जनवरी 2022 से एवं बकाया 6व दीपावली से दे होगा एवं रीवा भत्ता के लिए कमेटी बनाकर निर्णय लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन सरगुजा संभाग के अधिकारी और साथ ही आगे भी अनिश्चित कालीन हड़ताल अपनी मांगों के समर्थन में जाते थे परंतु अंतू प्रदेश स्तर के निर्णय हड़ताल स्थगित से जिला विभिन्न संगठनों के कर्मचारी/ अधिकारी नाराज थे। छत्तीसगढ़ की ओर से विभिन्न कर्मचारी अधिकारी संगठनों के सभी अधिकारियों तथा साथियों को हाथ जोड़कर उनके सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हैं तथा आगे भी भविष्य में सहयोग की अपेक्षा करते हैं

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने सरगुजा भाजपा के कार्यकर्ताओं का आभार जताया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022 (घटती घटना)।,

एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा हैं दोस्तों यह दिल तुम्हारे प्यार का मारा है दोस्तों मोहम्मद रफी के इस खूबसूरत गीत की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने सरगुजा भाजपा के कार्यकर्ताओं के प्रति दिल से आभार जताया।

नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अपने प्रथम प्रवास में अंबिकापुर पहुंचे श्री चंदेल ने संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब वे युवा मोर्चा में थे तब से उन्हें सरगुजा से विशेष लगाव रहा है, माँ महामाया की कृपा हमेशा से मुझ पर रही है तभी मैंने अपने दौरे की शुरुआत सरगुजा संभाग से की है। उन्होंने बताया कि जब वे नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा जी से मिले तो उन्होंने विशेष रुप से सरगुजा का हाल उनसे पूछा।

आगे उन्होंने कहा कि संभाग प्रभारी के रूप में मुझे खुशी है कि 24 अगस्त के हल्ला बोल कार्यक्रम में सरगुजा से अपेक्षित संख्या से कहीं ज्यादा कार्यकर्ता शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हमारे पहले हुंकार में ही मुख्यमंत्री रायपुर से दिल्ली भाग गए तथा भाजपा के आंदोलन को संभालने में शासन प्रशासन के पसीने छूट गए। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार के कुशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि चारों ओर अंधेरा है पहरेदार लुटेरा है, सड़क से लेकर सदन तक और

ग्राम सभा से लेकर विधानसभा तक भाजपा कुशासन के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

इस अवसर पर सरगुजा जिला प्रभारी ज्योति नंद दुबे ने बताया कि आगामी 9 सितंबर को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा बुध के कार्यकर्ताओं से रूबरू होने छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। सरगुजा से भी हल्ला बोल आंदोलन की तरह ही बड़ी संख्या में बूथ के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अपने स्वागत उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि सरगुजा के कार्यकर्ताओं से नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जी का संबंध बहुत पुराना है, इनके नेता प्रतिपक्ष बनने से सरगुजा के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री देवनाथ सिंह पैकरा ने किया एवं आभार प्रदर्शन नगर मंडल अध्यक्ष अंबिकापुर मधुसूदन शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय, पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े, वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, अखिलेश सोनी, प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, प्रबोध मिंज, राम लखन पैकरा, फुलेश्वरी सिंह, त्रिलोक कपूर कुशवाहा, राम कृपाल साहू, शिवनाथ यादव, कृष्ण बिहारी जयसवाल, प्रशांत त्रिपाठी, विनोद हर्ष, डी के पुरिया, मंजूषा भगत, मधु चौदहा, विकास पांडे विजय व्यापारी राधे, श्याम ठाकुर, रोशन गुप्ता संतोष दास, रूपेश दुबे, जनमेजय मिश्रा, राजेश अग्रवाल, उमा पांडे, सोनू तिग्गा ललिता तिर्की, राज बहादुर शास्त्री अभिषेक शर्मा, रामप्रवेश पांडे, सर्वेश तिवारी, मनोज गुप्ता, धनराम नागेश कैलाश मिश्रा, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, प्रेमानंद तिग्गा, विश्व विजय तोमर, दीपक सिंह तोमर, अजय प्रताप सिंह बबलू, मनोज कंसारी, दीपक गर्ग, कैलाश ठाकुर रमेश जायसवाल, विशाल गोस्वामी, विशाल सिंह देव, मनोज सोनी, पंकज गुप्ता, अशोक सोनी, रजनीश पांडे बालचरण यादव, श्रवण दास, महेंद्र सिंह, बालनाथ यादव, नकुल सोनकर हरमिंदर टिन्नी, कैश मोहम्मद, मुनेश्वर राजवाड़े, श्रीधर केसरी, कालीचरण सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेनिफर ने पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।,

. सरगुजा जिले की आदिवासी लड़की ने पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल हासिल कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। अंबिकापुर की रहने वाली जेनिफर खलखो एक गरीब परिवार से आती है। जिसकी पढ़ाई लिखाई अंबिकापुर के प्राइवेट स्कूल में चल रही है। इन्होंने जांजगीर-चांपा में आयोजित तीसरा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप बेंच प्रेस और डेड लिफ्ट में सब जूनियर और जूनियर में 102.5 के साथ दो गोल्ड मेडल हासिल किया है। वहीं जेनिफर खलखो पिछले एक साल में कई जगह पर जाकर पवार लिफ्टिंग में भाग लिया है। जिसमें कोलकत्ता में हुए नेशनल पावर लिफ्टिंग में सिल्वर मेडल हासिल किया था। वहीं अब असम के गुवाहाटी में नेशनल पावर लिफ्टिंग खेल के लिए जा रही है।

मासूम बच्ची की चोट लगने से हो गई मौत,पिता हिरासत में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।.

पति द्वारा पत्नी के साथ लात मुक्के से मारपीट करने के दौरान पत्नी के गोद में सो रही 22 दिन की मासूम बच्ची को लग गई। इससे मासूम बच्ची की मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई।

जानकारी के अनुसार सुमेन्द्र नगेशिया दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर का रहने वाला है। वह वर्ष 2018 में लव मैरिज कर मानमती को पत्नी बना कर रखा था। 22 दिन पूर्व महिला ने बच्ची को जन्म दी। बच्ची की जन्म लेने के बाद सुमेन्द्र पत्नी को मायके भेजना चाहता था। 31 अगस्त को पति पत्नी को मायके चले जाने के लिए बोला पर पत्नी मायके जाने से इंकार कर दी। इस बात से नाराज पति द्वारा शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट की जा रही थी। 1 सितंबर की रात 11 बजे सुमेन्द्र घर आया और मायके क्यों नहीं गई इस बात को लेकर पत्नी के साथ लात-मुक्का से मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान 22 दिन की मासूम बच्ची मां के गोद में सो रही थी। तभी पिता द्वारा मां के मारने के लिए लात चलाया पर मां को न लग कर मासूम बच्ची को लग गया। दरिंदगी की हद तो तब पार हो गई इतना होने के बाद भी मासूम बच्ची को अस्पताल ले जाकर इलाज कराने के बजाए मां व बच्ची को घर से बाहर निकाल दिया। देर रात होने के कारण मां अस्पताल नहीं पहुंच पाई और गांव में ही रूकी रही। दूसरे दिन सुबह भी पति पत्नी के साथ मारपीट करने लगा। सूचना पर दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची ओर बच्ची को इलाज `लिए दरिमा अस्पताल भिजवाया यहां चिकित्सकों ने बच्ची की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पतल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

94 लाख रुपए गबन के मामले में कृष्णा हुंडई के मैनेजर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।

धोखाधड़ी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने कृष्णा हुंडई अंबिकापुर के प्रबंधन को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 94 लाख रुपए कंपनी का गबन करने का आरोप था। आरोपी द्वारा 5 सितंबर 2019 से 31 नवंबर 20211 के मध्य छल पूर्वक नई एवं पुरानी गाडियों के बिक्री का रकम को गबन कर लिया गया था। कंपनी के संचालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गौरव मोदी संचालक कृष्णा ऑटो प्राइवेट कोरबा द्वारा रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराया गया था कि कंपनी का सह संस्थान कृष्णा हुंडई अंबिकापुर जो की मनेन्द्रगढ़ रोड में स्थित है। जिसका प्रबंधन का कार्य दीपेश कुमार सिन्हा द्वारा 5 सितंबर 2019 से 31 नवंबर 2021 के मध्य छल पूर्वक नई एवं पुरानी

गाडियों के बिक्री का रकम करीब 94 लाख रुपए कंपनी का गबन कर लिया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक कलीम खान व उनकी टीम द्वारा मामले की विवेचना की जा रही थी। सबंधित दस्तावेज तथा गवाहों का कथन के आधार पर आरोप सिद्ध होने पर आरोपी दीपेश कुमार सिन्हा निवासी जयनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो वह अना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक विजय दुबे, सहायक उपनिरीक्षक विनय सिंह, आरक्षक प्रविंद सिंह, अरविंद उपाध्याय, अमृत सिंह, अनुज जयसवाल शामिल रहे।

मोबाइल दुकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।

मोबाइल दुकान में चोरी के मामले में कमलेश्वरपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार अविनाश एक्का ग्राम पैगा थाना कलेश्वरपुर का रहने वाला है। इसका मोबाइल का दुकान है। अज्ञात चोर द्वारा इसके दुकान से मोबाइल, मॉनिटर व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया गया था। अविनाश ने इसकी रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस न अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। इसी बीच कमलेश्वरपुर थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह को मुखबिर से जानकारी मिली की एक व्यक्ति मोबाइल बेचने के फिराक में ग्राम रोपाखार बाजाडांड में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपी मनोज कुमार यादव साकिन रोपाखार निवासी के कब्जे से चोरी के सामान जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिला अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022 (घटती घटना)। .

एक महिला अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर ली। उसे गंभीर स्थिति में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सनकुंवेर बाई पति बोलर राम उम्र 45 वर्ष तुरी सरडीह थाना बगीचा की रहने वाली थी। वह अज्ञात कारण से 30 अगस्त को कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे गंभीर स्थिति में बगीचा अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाजके लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलारज के दौरान उसकी मौत हो गइ

अपने मित्र की परेशानी को समझे वही है सच्चा मित्रःअनिरुद्धाचार्य

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।

वृंदावन से पधारे श्रीमद्भागवत कथा के प्रवक्ता अनिरुद्धाचार्य की अमृतमय वाणी ने शुक्रवार को श्रीमदभागवत कथा के सातवें दिन में

भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निस्वार्थ मित्रता की चर्चा से भाव विभोर कर दिया। मधुरमय कथा का श्रवणपान कराते हुए सबको बताया कि सच्चा मित्र वही है, जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे। परंतु आजकल स्वार्थ की मित्रता रह गई है। जब तक स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, तब तक मित्रता रहती है। जब स्वार्थ पूरा हो जाता है, मित्रता खत्म हो जाती है।

उन्होंने कहा कि एक सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर मित्र कृष्ण से मिलने द्वारकापुरी

जाते हैं। जब वह महल के गेट पर पहुंच जाते हैं, तब प्रहरियों से कृष्ण को अपना मित्र बताते है और अंदर जाने की बात कहते हैं। सुदामा की यह बात सुनकर प्रहरी उपहास उड़ाते है और कहते है कि भगवान श्रीकृष्ण का मित्र एक दरिद्र व्यक्ति कैसे हो सकता है। प्रहरियों की बात सुनकर सुदामा अपने मित्र से बिना मिले ही लौटने लगते हैं। तभी एक प्रहरी महल के अंदर जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि महल द्वार पर एक सुदामा नाम का दरिद्र व्यक्ति खड़ा है और अपने आप को आपका मित्र बता रहा है। द्वारपाल की बात सुनकर भगवान कृष्ण नंगे पांव ही दौड़े चले आते हैं और अपने मित्र को रोककर सुदामा को रोककर गले लगा लिया। ऐसा भावमय प्रसंग सुन वहां उपस्थित हजारों भक्तों की आंखों में आंसू आ गये। साथ सातों दिन की संपूर्ण कथा की पुनरावृत्ति के साथ मुख्य प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए भक्त भगवान के मिलन और राजा परीक्षित के मोक्ष गमन के बारें चर्चा करते हुए बताया आज भी कोई व्यक्ति पूर्ण विश्वास के साथ कथा श्रवण करे तो वो भी मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। साथ ही भावमय होकर सभी ने पूज्य व्यास जी का पूजन किया और दिव्य फूल होली के साथ आरती करते हुए कथा का विश्राम हुआ।

अज्ञात कारण से युवक ने फांसी लगाकर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022(घटती घटना)।

एक युवक ने अज्ञात कारण से फांसी लगा लिया था। उसे गंभीर स्थिति में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सबीन लकड़ा पिता ठाकुर लकड़ा उम्र 21 वर्ष ग्राम पम्पापुर दरिमा का रहने वाला था। 31 अगस्त को अज्ञात कारण से वह फांसी लगा लिया था। परिजन ने उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एमएमयू हेतु शिविर स्थल व तिथि निर्धारित किया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022 (घटती घटना)।
मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत नगर निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा निशुल्क जांच एवं ईलाज के लिए लगाए जाने वाले शिविर स्थल एवं तिथि निर्धारण कर दिया गया है। नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 30 सितंबर 2022 तक के लिए चारों एमएमयू के लिए शिविर स्थल एवं तिथि निर्धारित की गई है। 3 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा एमजी रोड एवं कृष्णानगर कॉलोनी, एमएमयू 2 द्वारा दर्रीपारा-हनुमान मंदिर के समीप, एमएमयू 3 द्वारा मायापुर-दत्ताबाबू गली एवं पंचदेव मंदिर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा हरसागर तालाब के पास लगाई जाएगी।

इसी प्रकार 4 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा गांधीनगर-गांधी चौक एवं स्वीमिंग पूल के पीछे, एमएमयू 2 द्वारा सत्तीपारा करसू तालाब एवं श्री राम अस्पताल मार्ग, एमएमयू 3 द्वारा जरहागढ़-बंगाली मैदान एवं पार्षद कार्यालय के समीप व एमएमयू 4 द्वारा गंगापुर-तुलसी दास चौक एवं गंगापुर बाल संप्रेक्षण गृह के पास। 5 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा धोबीपारा सामुदायिक भवन, एमएमयू 2 द्वारा गुरूनानक वार्ड-गुदरी चौक, एमएमयू 3 द्वारा खालपारा एवं शिवधारी कॉलोनी व एमएमयू 4 द्वारा नवागढ़-अटल चौक के पास। 8 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा गोधनपुर, एमएमयू 2 नमनाकला पानीटंकी के समीप, एमएमयू 3 द्वारा केनाबांध पीडीएस भवन व एमएमयू 4 द्वारा बरेज तालाब के पास। 9 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा पटेलपारा कोइरा दुकान के समीप एवं इंदिरा, एमएमयू 2 द्वारा बाबूपारा अटल आवास, एमएमयू 3 द्वारा उरांव पारा तकिया रोड एवं रॉयल एलिकमेंटरी स्कूल के समीप व एमएमयू 4 द्वारा भट्ठापारा एसएलआरएम सेंटर के समीप। 10 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा बनारस रोड दुर्गाबाड़ी एवं सांई मंदिर के समीप, एमएमयू 2 द्वारा ईरानी बस्ती मस्जिद के समीप, एमएमयू 3 द्वारा घुटरापारा एसएलआरएम सेंटर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा बिशुनपुर प्राथमिक शाला एवं गाढ़ापारा के पास। 11 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा आदिवासीपारा-वृद्धा आश्रम आदिवासी बस्ती, एमएमयू 2 द्वारा दीवान तालाब सत्तीपारा, एमएमयू 3 द्वारा जेना ताबाल रिंगरोड व एमएमयू 4 द्वारा पचफेडी आंगनबाड़ी के समीप। 12 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा मुक्तिपारा एसएलआरएम सेंटर के समीप, एमएमयू 2 द्वारा दर्रीपारा-प्रतीक्षा बस स्टैंड, एमएमयू 3 द्वारा जनपदपारा एसएलआरएम सेंटर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा पुराना बस स्टैण्ड एसएलआरएम सेंटर के समीप के पास। 14 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा सोनी मुहल्ला-तुर्रापानी अन्नपूर्णा भवन, एमएमयू 2 द्वारा झंझट पारा पीडीएस भवन के समीप, एमएमयू 3 द्वारा केदारपुर गुरू घासीदास उद्यान के समीप व एमएमयू 4 द्वारा भातुपारा बस्ती एवं प्राथमिक शाला के समीप। 15 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा भगवानपुर मार्केट, एमएमयू 2 द्वारा मायापुर-कोतवाली, एमएमयू 3 द्वारा

गाढ़ाघाट सामुदायिक भवन के समीप व एमएमयू 4 द्वारा मठपारा बस्ती के पास।
16 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा नवापारा-कुम्हारपारा एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के समीप, एमएमयू 2 द्वारा नमनाकला सियान सदन एवं शारदा धाम बस्ती, एमएमयू 3 द्वारा महामाया तालाब नहर रोड व एमएमयू 4 द्वारा दर्रीपारा सामुदायिक भवन के पास। 17 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा कलाकेन्द्र देव होटल के सामने या अधिवक्ता मंच, एमएमयू 2 द्वारा मोमिनपुरा अयान मार्ग, एमएमयू 3 द्वारा घुटरापारा सामुदायिक भवन के समीप व एमएमयू 4 द्वारा गंगापुर बस्ती के पास। 18 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा एमजी रोड एवं कृष्णा नगर कॉलोनी, एमएमयू 2 द्वारा दर्रीपारा हनुमान मंदिर समीप, एमएमयू 3 द्वारा मायापुर-दत्ताबाबू गली एवं पंचदेव मंदिर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा हरसागर तालाब के पास के पास। 19 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा गांधीनगर-गांधी चौक एवं स्वीमिंग पूल के पीछे, एमएमयू 2 द्वारा सत्तीपारा करसू तालाब एवं श्री राम अस्पताल मार्ग, एमएमयू 3 द्वारा जरहागढ़-बंगाली मैदान एवं पार्षद कार्यालय के समीप व एमएमयू 4 द्वारा गंगापुर-तुलसी दास चौक एवं गंगापुर बाल संप्रेक्षण गृह के पास। 22 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा धोबीपारा सामुदायिक भवन, एमएमयू 2 द्वारा गुरूनानक वार्ड-गुदरी चौक, एमएमयू 3 द्वारा खालपारा एवं शिवधारी कॉलोनी व एमएमयू 4 द्वारा नवागढ़-अटल चौक के पास। 23 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा गोधनपुर, एमएमयू 2 नमनाकला पानीटंकी के समीप, एमएमयू 3 द्वारा केनाबांध पीडीएस भवन व एमएमयू 4 द्वारा बरेज तालाब के पास। 24 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा पटेलपारा कोइरा दुकान के समीपएवं इंदिरा, एमएमयू 2 द्वारा बाबूपारा अटल आवास, एमएमयू 3 द्वारा उरांव पारा तकिया रोड एवं रॉयल एलिकमेंटरी स्कूल के समीप व एमएमयू 4 द्वारा भट्ठापारा एसएलआरएम सेंटर के समीप। 25 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा बनारस रोड दुर्गाबाड़ी एवं सांई मंदिर के समीप, एमएमयू 2 द्वारा ईरानी बस्ती मस्जिद के समीप, एमएमयू 3 द्वारा घुटरापारा एसएलआरएम सेंटर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा बिशुनपुर प्राथमिक शाला एवं गाढ़ापारा के पास। 26 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा आदिवासीपारा-वृद्धा आश्रम आदिवासी बस्ती, एमएमयू 2 द्वारा दीवान तालाब सत्तीपारा, एमएमयू 3 द्वारा जेना ताबाल रिंगरोड व एमएमयू 4 द्वारा पचफेडी आंगनबाड़ी के समीप। 28 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा मुक्तिपारा एसएलआरएम सेंटर के समीप, एमएमयू 2 द्वारा दर्रीपारा-प्रतीक्षा बस स्टैंड, एमएमयू 3 द्वारा जनपदपारा एसएलआरएम सेंटर के समीप व एमएमयू 4 द्वारा पुराना बस स्टैण्ड एसएलआरएम सेंटर के समीप के पास। 29 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा सोनी मुहल्ला-तुर्रापानी अन्नपूर्णा भवन, एमएमयू 2 द्वारा झंझट पारा पीडीएस भवन के समीप, एमएमयू 3 द्वारा केदारपुर गुरू घासीदास उद्यान के समीप व एमएमयू 4 द्वारा भातुपारा बस्ती एवं प्राथमिक शाला के समीप। 30 सितंबर को एमएमयू 1 द्वारा भगवानपुर मार्केट, एमएमयू 2 द्वारा मायापुर-कोतवाली, एमएमयू 3 द्वारा गाढ़ाघाट सामुदायिक भवन के समीप व एमएमयू 4 द्वारा मठपारा बस्ती के पास शिविर का निर्धारण की गई है।

मोबाईल मेडिकल यूनिट बस द्वारा किया जा रहा निःशुल्क चिकित्सा उपचार

-संवाददाता-
सूरजपुर/02 सितम्बर 2022(घटती घटना)। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में पहुंचकर मेडिकल मोबाइल यूनिट बस द्वारा निःशुल्क चिकित्सा उपचार किया जा रहा है। आज प्रेमनगर एवं भटगांव क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट की बस पहुंच कर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। नगर पंचायत प्रेमनगर क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 06, 07 गांधी चौक के पास कुल 51 मरीजों का, स्वास्थ्य चेकअप कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया।

इसी तरह मुख्यमंत्री स्लम स्वस्थ योजना अंतर्गत नगर पंचायत भटगांव क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02 में शिविर लगाया गया जिसमें 75 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया एवं दवाई का वितरण किया गया। मोबाईल मेडिकल यूनिट बस में विभिन्न प्रकार के लैब टेस्ट किये जा रहे है, जिसमें खून, मल मूत्र, थूक, टीबी, थायराइड, मलेरिया, टाइफाईड की जॉच कुशल लैब टेक्नीशियन द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से की जा रही है। ईसीजी, ब्लड प्रेशर, प्लस ऑक्सीमीटर जैसे स्वास्थ्य उपकरण भी इसमें उपलब्ध हैं। मेडिकल ऑफिसर, लैब टेक्नीश्यिन, फर्मासिस्ट सहित नर्स विभिन्न वार्ड में पहुंच कर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे है। 03 सितम्बर को भटगांव नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 03 एवं प्रेमनगर नगर पंचायत वार्ड क्रमांक 01व 02 में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा।

कलेक्टर व एसपी ने किया मंगारी गोठान का निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 02 सितंबर 2022 (घटती घटना)।
कलेक्टर कुन्दन कुमार व पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता ने शुक्रवार को बतौली जनपद के आदर्श गोठान मंगारी का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह भी साथ थे। उन्होंने गोठान में रीपा के तहत स्थापित बेकरी यूनिट के सुचारू संचालन हेतु निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए एक नग नया जनरेटर सेट लगवाने हेतु तत्काल प्रस्ताव तैयार करने के कहा। समूह की महिलाओं को आय मूलक गतिविधियों से जोड़ने के लिए मछलीपालन व बकरीपालन शुरू करने हेतु आवशयक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मंगारी गोठान के जागृत एवं चम्पा स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा खीरा की खेती से 90 हजार, मुर्गी पालन से 2 लाख, बेकरी यूनिट से 49 लाख का मुनाफा कमाया गया है। कलेक्टर व एसपी ने महिलाओं द्वारा किये जा रहे आजीविका गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे और आगे ले जाने प्रोत्सहित किये।
गोठान में करीब तीन वर्ष पूर्व निर्मित डबरी में मछली पालन शुरू करने के लिए पहले डबरी का गहरीकरण कराने व इनलेट और आउट लेट की उचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समूह की महिलाओं से चर्चा कर गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, बाड़ी विकास, मुर्गी व बटेर पालन, बेकरी यूनिट्स आदि की जानकारी ली। उन्होंने निरंतर गोबर खरीदी करने व खरीदे गए गोबर को बारिश से बचाने शेड में रखने कहा। उन्होंने महिलाओं की मांग पर बेकरी यूनिट के पास एक अतिरिक्त शेड निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर, एसपी व जिला पंचायत सीईओ ने गोठान में महिलाओं द्वारा ब्रायलर मुर्गी पालन से उत्पादित अंडे भी खरीदे।महिलाओं ने तीनों अधिकारियों को भेंट स्वरूप दो-दो बटेर पक्षी भी दिए।
स्वामी आत्मानन्द स्कूल के प्रांगण में बनेगा शेड- स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतौली के निरीक्षण के दौरान स्कूल के प्रांगण में शेड लगवाने तथा फर्श पर टाइल्स लगवाने के निर्देश दिए। स्कूल भवन के कई कमरों में सीपेज व दरार की समस्या होने पर कलेक्टर ने सर्व शिक्षा अभियान के एसडीओ को फटकार लगाते हुए इसे ठीक कराने व लापरवाही की

बेकरी यूनिट में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए लगेगा नया डीजी सेट
मछलीपालन व बकरीपालन शुरू करने के निर्देश
समूह की महिलाओं को मिली अच्छे कार्य के लिए सराहना

जांच कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य कक्ष, स्टाफ रूम, लैब रूम, शौचालय की व्यवस्था का जायजा लिया। स्कूल में लगाये गए वाटर कूलर खराब होने पर उपस्थित प्रभारी प्राचार्य को तत्काल वाटर कूलर को ठीक कराने के निर्देश दिए। भौतिकी प्रयोगशाला के निरीक्षण के दौरान उपकरणों का अवलोकन किया और व्याख्याता से उपकरण की सहायता से ओम के नियम के अनुसार विद्युत प्रतिरोध बताने कहा। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को स्पष्ट जानकारी दें। किसी नियम के बारे में जितना आप स्वयं स्पष्ट समझ सके हैं, उतना ही बच्चों को बताएं।
बच्चों की सुनी समस्याएं- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की समस्याएं सुनकर निराकरण करने के आश्वासन दिये। छात्रों ने बताया कि दूसरी शिफ्ट में क्लास लगने से दूर से आने वाले बच्चां को परेशानी होती है। इसके साथ ही कई कक्षा में सीपेज व बैठने के लिए बेंच नहीं होने के कारण समस्या हो रही है। कलेक्टर ने छात्रों की समस्याओं का जल्द निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर व एसपी ने बच्चां से उनकी भविष्य की कैरियर प्लान के बारे में तथा यूपीएससी, आईएएस व आईपीएस के फूल फार्म पूछे। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए लगन व मेहनत से पढ़ाई करने कहा।
इस दौरान एसडीएम श्री अनमोल विवेक टोप्पो, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री व्हीके बेदिया, जनपद सीईओ श्री विजय नारायण श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को राशन,पेंशन आदि सुविधाओं से करें लाभान्वित

-संवाददाता-
कोरबा 02 सितम्बर 2022 (घटती घटना)।
कलेक्टर संजीव झा ने जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को राशन, पेंशन आदि मूलभूत सुविधाओं से लगातार लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों से

प्राप्त विभिन्न समस्याओं और सुझावों से संबंधित आवेदनों का संवेदनशीलता से समय सीमा में निराकरण करने के भी निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री झा ने समय सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित करके पहाडी कोरवा, बिरहोर, पण्डो, विशेष पिछडी जनजाति वर्ग के व्यक्तियों का जाति प्रमाण पत्र वन अधिकार पत्र, राशन कार्ड, भूमिहीन न्याय मजदूर योजना के तहत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कराये। जिससे कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित ना रहे। जिससे उन्हें शासकीय योजनाओं का लगातार लाभ मिलता रहे। बैठक में कलेक्टर ने राजीव युवा मितान क्लब के गठन के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने मितान क्लब के पदाधिकारियों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों आदि के प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। समय सीमा की समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर श्री विजेन्द्र पाटले, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, डीएफओ कटघोरा श्रीमती प्रेमलता यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

थाना सूरजपुर पुलिस ने गांजा सहित एक को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर/02 सितम्बर 2022 (घटती घटना)।
पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्व सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है।

इसी बीच कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि पर्री निवासी राजू विश्वकर्मा अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु रखा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी के मार्गदर्शन में गुरूवार को कोतवाली पुलिस की टीम ने दबिश देकर राजू विश्वकर्मा पिता गंगाराम विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष निवासी पर्री को पकड़ा जिसके कब्जे से 1 किलो 250 ग्राम गांजा कीमत करीब 25 हजार रूपये का जप्त किया। मामले में गांजा जप्त करते हुए आरोपी के विरूद्व धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एएसआई बजरंगी लाल चौहान, रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक हरेन्द्र सिंह व आरक्षक राजू रजन सोनी सक्रिय रहे।

एसईसीएल मानिकपुर में अजय तिवारी महाप्रबंधक ने किया पदभार ग्रहण

-संवाददाता-
कोरबा 02 सितम्बर 2022 (घटती घटना)।
एसईसीएल मानिकपुर में अजय तिवारी महाप्रबंधक माइनिंग द्वारा सब एरिया मैनेजर का पदभार ग्रहण किया गया ढ्ढ पूर्व में श्री तिवारी एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर में सेफ़्टी एवं रेस्क्यू विभाग में महाप्रबंधक के पद पर कार्य कर रहे थे ढ्ढ

मानिकपुर में पदभार ग्रहण करने के पश्चात सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं यूनियन के पदाधिकारियों ने नए महाप्रबंधक का हार्दिक अभिनंदन किया ढ्ढ अपने उद्बोधन में श्री तिवारी ने कहा कि मानिकपुर की कार्य संस्कृति से मैं पूर्व से परिचित हूं यहां पर समय से पूर्व कोल् उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने की परंपरा है ,जिसे बनाए रखना है और टीम भावना से कार्य करते हुए जो भी दायित्व दिए जाएंगे उन्हें समय से पूरा करेंगे ढ्ढ एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डॉ प्रेम सागर मिश्रा द्वारा 15 अगस्त को यह घोषणा की गई थी जो भी योग्य कर्मचारी पदोन्नति की पात्रता रखते हैं उन्हें 31 अगस्त को पदोन्नति प्रदान की जाएगी मानिकपुर के 22 कर्मचारियों को मिष्ठान के साथ पदोन्नति का आदेश महाप्रबंधक मानिकपुर द्वारा प्रदान किया गया, जिससे कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है ढ्ढ श्रमिक प्रतिनिधियों ने प्रबंधन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया

ग्राम झोरा पहुंचा हाथियों का झुंड,ग्रामीणों ने किया रतजगा

-संवाददाता-
कोरबा 02 सितम्बर 2022(घटती घटना)।
कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में मौजूद हाथियों के दल ने जहां भय फैला रखा है, वहीं नगर पंचायत छुरीकला क्षेत्र से लगे ग्राम झोरा में लगभग 17 हाथियों का दल 4 बच्चों सहित पिकनिक स्थल झोरा पहुंच गया। पहुंचे हाथियों के दल ने कोई जनहानि तो नहीं की और

मकानों को नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन ग्रामीणों के बाड़ी और खेत में फसलों को नुकसान जरूर पहुंचाया है। पहुंचे हाथियों की चिंघाड़ सुनकर ग्रामीणों की नींद उड़ गई और भय मिश्रित कौतूहल का आलम रहा।हाथियों को गांव की तरफ आने से रोकने के लिए ग्रामवासी मुस्तैद रहे।हालांकि हाथियों ने गांव की तरफ रुख नहीं किया, लेकिन गांव में मौजूद खेत और बाड़ियों में दस्तक देकर भूख शांत की। बाद में हाथियों का दल वापस जंगल की ओर लौटा तो ग्रामीणों ने राहत महसूस की। हाथियों के इस तरह आगे बढ़ते जाने और नगरीय क्षेत्र से लगे गांवों में दस्तक देने से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बता दें कि इससे पहले कोरबा शहर के भीतर हाथियों की दस्तक हो चुकी है। हाथियों के आने-जाने को जंगल में ही थाम सकने में वन विभाग नाकाम साबित हो रहा है। हाथियों के रहवास, उनके भोजन-पानी की व्यवस्था के लिए लाखों-करोड़ों रुपए फूंके तो जा रहे , लेकिन इनसे विकास हाथियों के रहवास और भोजन-पानी का नहीं बल्कि चंद लोगों का ही होता आ रहा है। अधिकारियों के पास कोई ठोस कार्ययोजना,दूरदर्शी निर्णय नहीं होने तथा इस समस्या को अब एक आम समस्या की तरह देखे जाने के नजरिए के कारण समाधान होता नहीं दिख रहा है।

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीण हो रहे लाभान्वित

-संवाददाता-
सूरजपुर/02 सितम्बर 2022(घटती घटना)।
मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना का जिले संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. आर. एस. सिंह के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना में अधिक से अधिक मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा रहा है।

जिले के दूरस्थ क्षेत्र के बाजारों में आवश्यकता है और जरूरत बढ़ रही है। जिसके तहत इस योजना अन्तर्गत जिले में अब तक कुल 279394 (दो लाख उनासी हजार तीन सौ चौरानवे) लोगों का जांच एवं उपचार किया गया है। इस योजना की शुरुवात में जहां प्रति हाट बाजार 15 से 20 मरीजो का लाभ मिल रहा था वहीं इसके प्रचार- प्रसार व हाट बाजार क्लीनिक के निरंतर संचालन से अब यह 50 से 60 मरीजों तक पहुच चूका है। जिले में इसकी आवश्यकता एवं जरूरत के कारण जिन हाट बाजार में संचालन नहीं हो रहा था वहां से भी क्लीनिक के संचालन की मांग की गई। आम लोगों की मांग पर वहां भी हाट बाजार क्लीनिक योजना संचालित किया जा रहा है। सूरजपुर, प्रतापपुर, भैयाथान, रामानुजनगर, ओढ़गी और प्रेमनगर विकासखंड में सप्ताहिक बाजार लगते हैं हाट बाजार क्लीनिक योजना का संचालन किया जा रहा है।

1 अप्रैल 2022 से 31 अगस्त 2022 तक कुल उपचारित मरीजों की संख्या 113184 है दवाई प्राप्त करने वाले तथा विभिन्न टेस्ट कराने वालों की संख्या 105680 है। सीएमएचओ डॉ. आर एस सिंह ने बताया कि कुल चिन्हांकित हाट बाजारों की संख्या 105, कुल वाहनों की संख्या 18, माह में कुल 400 बाजार लगता है तथा विभिन्न बाजारों में 2196एमएमयू गये। उन्होंने बताया कि प्रति हाट बाजार में उपचारित मरीजों की औसत संख्या 52 तथा जिला अस्पताल में रेफर किये गये मरीजों की संख्या 225 है।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के कारण बीमार लोगो को ईलाज के लिये कई बार आधारभूत स्वास्थ्य सेवायें भी समय पर नहीं मिल पाने के कारण बीमारी का पता नहीं चल पाता है तथा जटिलता की स्थिति में उच्च अस्पतालों को रिफर करना पड़ता है। ग्रामीण तथा शहरी स्लम क्षेत्रों में पैथोलॉजी प्रयोगशाला नहीं होने के कारण मरीजों को जांच के लिए भी शहरी क्षेत्रों तक आना पड़ता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आदिवासी अंचलों में ग्रामीणों के बीच हाट बाजार के महत्व को देखते हुये मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना की शुरुआत किया गया। इस योजना के अन्तर्गत प्रतिदिन हाट बाजार क्लीनिक में जांच और इलाज की सुविधा से ऐसे मरीजों को त्वरित रूप से आधारभूत स्वास्थ्य सेवायें मिल रही है। सूरजपुर जिले के भी हाट बाजारों में भी इस योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर संक्रामक एवं गैर संक्रामक रोगों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। हाट बाजार क्लीनिक में ही रक्तचाप, मधुमेह, सिकलसेल एनीमिया, हीमोग्लोबिन, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों के लिये खून की जांच निःशुल्क की जा रही है एवं मरीजों को निःशुल्क दवाईयां दी जा रही है, साथ ही आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया जा रहा है। लोगो की बीमारी का त्वरित इलाज हो रहा है।

म्यांमार सरकार ने चुनावी धोखाधड़ी के आरोप में आंग सान सू की को जेल की सजा सुनाई

नेपीडॉ [म्यांमार], 2 सितंबर 2022। म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सू की को शुक्रवार को एक अदालत द्वारा चुनावी धोखाधड़ी का दोषी पाए जाने के बाद कड़ी मेहनत के साथ तीन साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

समाचार एजेंसी, म्यांमार नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, ज़ाबुथिरी टाउनशिप के न्यायाधीश मौंग मौंग खिन ने नेपीटाव डिटेंशन सेंटर में एक जुंटा-नियंत्रित बंद अदालत में सजा सुनाई। सू की के अलावा, अपदस्थ नागरिक सरकार के अन्य दो नेताओं (विन म्यिंट और मिन थू) पर, जिनकी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) पार्टी ने 2020 का चुनाव भारी बहुमत से जीता था, उन पर दंड संहिता की धारा 130ए का गलत तरीके से उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। चुनाव आयोग को प्रभावित कर रहा है।

सैन्य परिषद के आरोप 2,000 दोहरे वोटों की रिपोर्ट पर आधारित थे, जो फरवरी 2011 के तख्तापलट के बाद से एक साल की जांच के बाद मिली थी।

इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स के अनुसार, 2020 के आम चुनाव में म्यांमार के 37 मिलियन से अधिक पंजीकृत मतदाताओं में से लगभग 75 प्रतिशत ने भाग लिया।

हालांकि, जुंटा ने कथित धोखाधड़ी का सामना करने के लिए कई एनएलडी नेताओं और पार्टी के सदस्यों के साथ-साथ पिछले केंद्रीय चुनाव आयोग के 420 से अधिक सदस्यों और स्थानीय चुनाव आयोगों के लगभग 2,500 सदस्यों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ सामना करने की कसम खाई थी, जैसा कि म्यांमार नाउ ने बताया।

77 वर्षीय सू ची को भ्रष्टाचार और देशद्रोह के आरोप में पहले ही 17 साल जेल की सजा सुनाई जा चुकी है।

हाल ही में, अगस्त में, उन्हें चार भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए छह साल की सजा सुनाई गई थी, जब सेना ने उन पर पार्टी नेता के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था, जो कि उनकी मां, डाव खिन की के नाम पर एक निजी फाउंडेशन के साथ-साथ एक संबद्ध परियोजना को लाभ पहुंचाने के लिए था।

विशेष रूप से, सेना ने सू ची को फरवरी 2021 में हिरासत में ले लिया क्योंकि उसने म्यांमार में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। म्यांमार के सैन्य नेता सीनियर जनरल मिन आंग हलिंग ने 2021 में एक निर्वाचित नागरिक सरकार के खिलाफ तख्तापलट का नेतृत्व किया और कथित चुनावी अनियमितताओं को लेकर आंग सान सू की को हिरासत में लिया।

पिछले साल अगस्त में, मिन आंग हलिंग ने खुद को नवगठित कार्यवाहक सरकार का प्रधान मंत्री घोषित किया। 1 अगस्त को राष्ट्र के नाम एक संबोधन के दौरान, उन्होंने 2023 तक चुनाव कराने की प्रतिज्ञा दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों के बीच, म्यांमार सुरक्षा बलों द्वारा 1,000 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और हजारों अन्य को गिरफ्तार किया गया है। जिसने देश के अस्थायी लोकतंत्र को पटरी से उतार दिया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की।

हाल ही में एक अद्यतन में, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी, यूएनएचसीआर, ने कहा कि पिछले एक महीने में संघर्ष तेज हो गया है, म्यांमार में सेना के छापे की बढ़ती रिपोर्ट के साथ, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व क्षेत्रों में।

स्टारबक्स ने भारतीय मूल के लक्ष्मण नरसिम्हन को नए सीईओ के रूप में नामित किया

वाशिंगटन, 2 सितंबर 2022। कॉफी की दिग्गज कंपनी स्टारबक्स ने गुरुवार (स्थानीय समय) को भारतीय मूल के लक्ष्मण नरसिम्हन को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामित किया।

नरसिम्हन 1 अक्टूबर को स्टारबक्स में शामिल होंगे, हॉवर्ड शुल्त्स की जगह, जो अप्रैल 2023 तक अंतरिम प्रमुख के रूप में बने रहेंगे । 55 वर्षीय, भारतीय व्यक्ति ने यूके स्थित रेकिट, लिसोल और एनफैमिल बेबी फॉर्मूला के निर्माता के मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्य किया है। बेंकिज़र ग्रुप पीएलसी।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारबक्स बोर्ड की अध्यक्ष मेलोडी हॉब्सन ने कहा, ÷हम वास्तव में मानते हैं कि हमें अपना अगला सीईओ बनने के लिए एक असाधारण व्यक्ति मिला है। वह एक परीक्षण किए गए नेता हैं।÷

कंपनी ने कहा कि वह लंदन से सिएटल क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाएंगे और 1 अक्टूबर को स्टारबक्स में आने वाले सीईओ के रूप में शामिल होंगे।

हॉब्सन ने आगे बताते हुए कहा कि स्टारबक्स के बोर्ड ने नरसिम्हन की सहायता के लिए शुल्त्स को अप्रैल 2023 तक अंतरिम सीईओ के रूप में बने रहने के लिए कहा। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, नरसिम्हन सीईओ की भूमिका ग्रहण करेंगे और 1 अप्रैल को कंपनी के बोर्ड में शामिल होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, नरसिम्हन कई स्थानों और बिक्री में दुनिया की सबसे बड़ी कॉफी श्रृंखला का अधिग्रहण करेगा क्योंकि यह बदलते कारोबारी परिदृश्य को नेविगेट करता है।

यूक्रेन में रूस के स्वामित्व वाले जापोरिज्जिया बिजली संयंत्र की भौतिक अखंडता 'उल्लंघन'

कीव [यूक्रेन], 2 सितंबर 2022। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा स्टेशन की भौतिक अखंडता का ÷उल्लंघन÷ किया गया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, आईएईए की चौदह सदस्यीय टीम बुधवार को यूक्रेन में नुकसान का निरीक्षण करने पहुंची। ÷मुझे चिंता है, और मैं पौधे के बारे में तब तक चिंतित रहूंगा जब तक कि हमारे पास ऐसी स्थिति न हो जो अधिक स्थिर हो, जो अधिक अनुमानित हो। यह स्पष्ट है कि पौधे और पौधे की भौतिक अखंडता का संयोग से कई बार उल्लंघन किया गया है [और] विचार-विमर्श से,÷ ग्रॉसी ने संयंत्र की अपनी यात्रा के बाद संवाददाताओं से कहा।

सीएनएन के हवाले से उन्होंने कहा, ÷आप जहां भी खड़े हों, आप इस युद्ध के बारे में जो कुछ भी सोचते हैं। यह कुछ ऐसा नहीं हो सकता है और यही कारण है कि हम कुछ तंत्र और उपस्थिति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।÷

ग्रॉसी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यूक्रेन ने रूसी बलों पर गुरुवार तड़के सुविधा के पास एनरहोदर शहर में गोलाबारी करके परमाणु संयंत्र में आईएईए की यात्रा को बाधित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ÷कहीं नहीं जा रही है÷ और ज़ापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में ÷निरंतर उपस्थिति÷ होगी।

ग्रॉसी ने एक दौरे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ÷हम कहीं नहीं जा रहे हैं। आईएईए अब संयंत्र में है और यह हिल नहीं रहा है। यह वहीं रहने वाला है। हम वहां संयंत्र में अपनी उपस्थिति जारी रखेंगे।÷ पौधे को।

इस बीच, क्षेत्रीय प्रशासन की केंद्रीय परिषद के एक सदस्य व्लादिमीर रोगोव ने कहा कि एक यूक्रेनी तोड़फोड़ समूह आईएईए विशेषज्ञ मिशन की यात्रा के दौरान ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) पर एक आतंकवादी हमले की साजिश रच रहा था, यह दिखाने के लिए कि रूस प्रदान करने में असमर्थ है सुरक्षा, स्पुतनिक ने बुधवार को सूत्रों का हवाला देते हुए सूचना दी।

रोगोव ने कहा, ÷प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, आईएईए प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान आतंकवादी हमले की तैयारी की जा रही थी ताकि यह दिखाया जा सके कि स्थिति नियंत्रण में नहीं है और रूस सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता है।÷

'ड्डश्चशह्म्द्ध5द्ध5द्धद्बड्ढ परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जो नीपर नदी के बाएं किनारे पर स्थित है।

24 फरवरी को रूस द्वारा शुरू किए गए यूक्रेन में सैन्य अभियान के दौरान, परमाणु संयंत्र और आसपास का क्षेत्र रूसी सेना के नियंत्रण में आ गया। एनपीपी को हाल ही में कई गोलाबारी से निशाना बनाया गया है, जिससे संभावित परमाणु दुर्घटना पर अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ रही हैं, जबकि रूस और यूक्रेन गोलाबारी की घटनाओं के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं।

विशेष रूप से, द्धश्च मिशन में अमेरिका, ब्रिटेन और रूस के प्रतिनिधियों के बिना 14 विशेषज्ञ शामिल हैं।

एनपीपी में आईएईए का निरीक्षण 31 अगस्त से 3 सितंबर तक चलेगा।

अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं : बाइडेन

वाशिंगटन, 2 सितंबर 2022। संयुक्त राज्य अमेरिका में ÷राजनीतिक हिंसा÷ की निंदा करते हुए, राष्ट्रपति जो बिडेन ने गुरुवार (स्थानीय समय) पर कहा कि देश में इसके लिए कोई जगह नहीं है।

÷अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। अवधि। कोई नहीं। कभी,÷ बिडेन ने राष्ट्र के नाम एक प्राइम-टाइम संबोधन के दौरान कहा। उन्होंने यह भी कहा कि एमएजीए रिपब्लिकन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की नींव को ही खतरे में डाल दिया है। बिडेन ने पेनसिल्वेनिया में कहा, ÷डोनाल्ड ट्रंप और एमएजीए रिपब्लिकन एक चरमपंथ का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमारे गणतंत्र की नींव के लिए खतरा है।÷ विशेष रूप से, ÷मैगा÷ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ÷मेक अमेरिका ग्रेट अगेन÷ नारे को संदर्भित करता है।

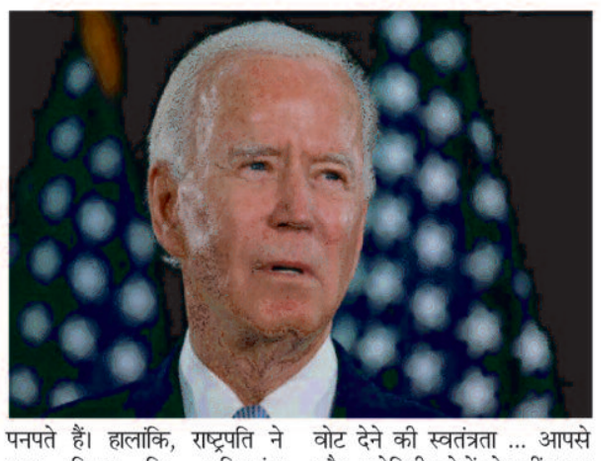

बिडेन ने यह भी कहा कि एमएजीए रिपब्लिकन गुस्से को गले लगाते हैं और अराजकता पर पनपते हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि अधिकांश रिपब्लिकन एमएजीए रिपब्लिकन नहीं हैं, यह कहते हुए कि वह मुख्यधारा के रिपब्लिकन के साथ काम करने में सक्षम हैं।

बिडेन ने गुरुवार रात फिलाडेल्फिया में इंडिपेंडेंस हॉल के बाहर अपना ÷राष्ट्र की आत्मा के लिए लड़ाई÷ भाषण दिया।

राष्ट्रपति बिडेन ने कहा, ÷मैं इस देश में सबसे मौलिक स्वतंत्रता, वोट देने की स्वतंत्रता ... आपसे और अमेरिकी लोगों से नहीं खड़ा रहूंगा और नहीं देखूंगा।÷

उन्होंने कहा, ÷मैं अपने अस्तित्व के हर तंतु के साथ अपने लोकतंत्र की रक्षा करूंगा और मैं हर अमेरिकी से मेरे साथ जुड़ने के लिए कह रहा हूं।÷

बाइडेन ने यह भी कहा कि अमेरिकियों को लोकतंत्र की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि इसकी गारंटी नहीं है।

पायलटों के हड़ताल पर जाने के कारण जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने 800 उड़ानें रद्द कीं

बर्लिन , 2 सितंबर 2022। जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने शुक्रवार को यात्री और कार्गो दोनों उड़ानों को रद्द कर दिया है, क्योंकि पायलट यूनियन %वेरिनिगंग कॉकपिट% ने घोषणा की थी कि वे पूरे दिन की योजनाबद्ध हड़ताल पर जा रहे हैं।

लुफ्थांसा समूह द्वारा गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, हड़ताल के कारण, एयरलाइन ने कहा कि वह फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख हवाईअड्डों से आज सभी उड़ानें रद्द कर देगी, जिससे 130,000 यात्री प्रभावित होंगे। लुफ्थांसा ने कहा कि जब वह स्थिति को सामान्य करने के लिए काम कर रहा था, शनिवार या रविवार को ÷अलग-अलग रद्दीकरण या देरी÷ भी संभव थी। पायलटों का संघ वेरिनिगंग कॉकपिटा

(वीसी) ने रात भर पुष्टि की कि लुफ्थांसा पायलट शुक्रवार को मुख्य यात्री व्यवसाय और इसकी कार्गो सहायक, डीपीए, जर्मन न्यूज एजेंसी की उड़ानों के लिए पूरे दिन की हड़ताल करेंगे।

वीसी का कहना है कि वह इस साल अपने 5,000 से अधिक पायलटों के लिए 5.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि, साथ ही 2023 के लिए स्वचालित मुद्रास्फीति समायोजन की मांग कर रहा है, लेकिन कहा कि चर्चा विफल रही थी।

कोरोनोवायरस संकट के दौरान, लुफ्थांसा ने समझौते को समाप्त कर दिया और सामूहिक सौदे को दरकिनार करते हुए कम वेतनमान की शर्तों के साथ एक नई एयरलाइन स्थापित करना शुरू कर दिया।

प्रवक्ता मथियास बेयर ने कहा, ÷हमें आज भी पर्याप्त प्रस्ताव नहीं मिला है।÷ ÷यह गंभीर और एक चूक अवसर है।÷

डॉयचे लुफ्थांसा एजी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी और श्रम निदेशक माइकल निगेमैन ने कहा, ÷हम हड़ताल के लिए वीसी के आह्वान को नहीं समझ सकते हैं। प्रबंधन ने एक बहुत अच्छा और सामाजिक रूप से संतुलित प्रस्ताव दिया है - कोविड संकट के निरंतर बोझ और अनिश्चित संभावनाओं के बावजूद। वैश्विक अर्थव्यवस्था। यह वृद्धि कई हजारों ग्राहकों की कीमत पर आती है।÷

बयान के अनुसार, समूह ने 18 महीने के कार्यकाल के साथ एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें लुफ्थांसा और लुफ्थांसा कार्गो के पायलटों को दो चरणों में प्रति माह मूल वेतन में कुल 900 यूरो अधिक मिलेंगे। इससे खासतौर पर एंट्री लेवल सैलरी को फायदा होगा।

एक एंट्री-लेवल को-पायलट को समझौते की अवधि के दौरान 18 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त मूल वेतन मिलेगा, जबकि अंतिम चरण में एक कप्तान को पांच प्रतिशत मिलेगा।

अर्जेंटीना पुलिस ने उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना किरचनर पर हत्या के प्रयास में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

ब्यूनस आयर्स [अर्जेंटीना], 2 सितंबर 2022। अर्जेंटीना पुलिस ने गुरुवार रात ब्यूनस आयर्स में घर के सामने देश के उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किरचनर पर बंदूक तानने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया , स्थानीय मीडिया ने बताया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, कथित हमलावर एक 35 वर्षीय ब्राजीलियाई नागरिक है, जिसकी पहचान फर्नांडो एंड्रेस सबाग मोंटिएल के रूप में हुई है, स्पुतनिक ने बताया। घटना के वायरल फुटेज से पता चला है कि आरोपी ने कथित तौर पर उसके सिर से एक इंच दूर बंदूक का निशाना बनाकर उपराष्ट्रपति से संपर्क किया और एक शॉट का प्रयास करने लगा, लेकिन बंदूक से गोली नहीं चली। माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति की जान को कोई खतरा नहीं है.

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, अपराधी द्वारा इस्तेमाल किया गया हथियार ÷जगह से कुछ मीटर की दूरी पर÷ पाया गया।

इसके अलावा, पुलिस ने पुष्टि की कि न्यायिक हस्तक्षेप ब्रिगेड क्षेत्र में चली गई थी। हमलावर के इरादे और घटना का विवरण फिलहाल स्पष्ट नहीं है, क्योंकि पुलिस जांच कर रही है।

मोंटियल के पास कथित तौर पर गैर-कानूनी हथियार ले जाने का इतिहास है, और पुलिस ने कथित तौर पर उसे चाकू रखने के आरोप में 2021 में गिरफ्तार किया था, स्पुतनिक ने बताया।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज के शीघ्र ही राष्ट्र को एक टेलीविजन संबोधन करने की उम्मीद है।

सोमवार को, अर्जेंटीना के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि वे किर्चनर की सुरक्षा को उसके घर तक बढ़ाएंगे, साथ ही उसके घर के सामने झड़प के बाद एक अभियोजक ने किरचनर के लिए 12 साल की जेल की सजा का अनुरोध किया था, जिस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था।

एक तरफ, लोगों ने उन पर ÷चोर÷ होने का आरोप लगाने वाले बैनर फहराए और बर्तन और धूपदान में धमाका किया, जबकि दूसरी तरफ, उनके समर्थकों ने राजनीतिक मंत्र गाए और जोरदार समर्थन में ऊपर और नीचे कूद गए।

पुलिस ने फर्नांडीज डी किर्चनर समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और डंडों का इस्तेमाल किया, जिसे उनके सहयोगियों ने अत्यधिक हिंसा के शो के रूप में निरूपित किया। सत्तारूढ़ फ्रंट डी टोडोस गठबंधन के एक विधायक को कुछ समय के लिए गिरफ्तार किया गया था।

यह मामला उस समय आया है जब मामले में एक प्रमुख अभियोजक ने ब्यूनस आयर्स की एक संघीय अदालत से फर्नांडीज डी किरचनर को 12 साल की जेल की सजा देने और उसे जीवन भर सार्वजनिक पद पर रहने से प्रतिबंधित करने के लिए कहा था।

फर्नांडीज डी किरचनर तथाकथित ÷कॉसा वियालिदाद÷ में आरोपित 13 लोगों में से एक हैं, जो सांताक्रूज के पेटागोनियन प्रांत में सार्वजनिक कार्यों के अनुबंध देने पर केंद्रित है, जहां उन्होंने और उनके दिवंगत पति, पूर्व राष्ट्रपति नेस्टर किरचनर ने अपने राजनीतिक करियर।

यह मामला 2000 के दशक की शुरुआत में 12 साल की समयावधि पर केंद्रित है, जिसके दौरान लाज़ारो बेज के स्वामित्व वाली कंपनियों को 51 अनुबंध दिए गए थे, जो एक व्यवसायी थे जो किर्चर्स के मित्र और सहयोगी थे।

बैज, जिसे पिछले साल मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी ठहराया गया था, 2003 में नेस्टर किर्चनर के पदभार संभालने से पहले के दिनों में एक बैंक कर्मचारी से एक निर्माण कंपनी की स्थापना के लिए चला गया।

सऊदी अरब ने पर्यटक वीजा नीति में किया संशोधन

रियाद ,02 सितंबर 2022। सऊदी अरब ने अन्य अरब देशों और अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के निवासियों के लिए अपनी पर्यटक वीजा नीति में संशोधन की घोषणा की है।

नीति के तहत, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों के निवासी, अपने करीबी रिश्तेदारों और घरेलू कामगारों के साथ, अब ऑनलाइन ई-वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस बीच, पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के पर्यटक या व्यापार वीजा के निवासी या धारक आगमन पर वीजा प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

मंत्रालय ने कहा कि बदली गई पर्यटक वीजा नीति पर्यटन मंत्री अहमद अल-खतीब द्वारा सऊदी अरब की यात्रा को तेज और आसान बनाने के लिए हस्ताक्षरित एक डिक्री का हिस्सा थी।

पाकिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,200 के करीब पहुंची

इस्लामाबाद, 2 सितंबर 2022। पाकिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,200 के करीब पहुंच गई है क्योंकि पिछले 24 घंटों में 19 और लोगों की जान चली गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के बयान का

हवाला देते हुए जियो न्यूज की रिपोर्ट में बारिश और बाढ़ से 14 जून से अब तक कम से कम 1,186 लोगों की मौत हो चुकी है । रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे में सिंध में 12, खैबर पख्तूनख्वा में चार और बलूचिस्तान में तीन लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में नौ बच्चे भी शामिल हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि देश भर में बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 256 लोग घायल हुए हैं। अचानक आई बाढ़ ने देश के 80 जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

एनडीएमए की रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 जून से बलूचिस्तान में कम से कम 256, केपी में 268, पंजाब में 188, गिलगित-बाल्टिस्तान में 22 लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान में इस साल की भारी मानसूनी बारिश से 33 मिलियन लोग - जिनमें लगभग 16 मिलियन बच्चे शामिल हैं - प्रभावित हुए हैं, जो विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन लेकर आए हैं।

÷पाकिस्तान में जुलाई 2022 के मध्य में शुरू हुई भारी मानसूनी बारिश देश के कई हिस्सों में जारी है और इसने पाकिस्तान के 154 जिलों में से 116 जिलों (75 प्रतिशत) को प्रभावित किया है। सबसे अधिक प्रभावित

प्रांत सिंध है, उसके बाद बलूचिस्तान है।÷ ÷डब्ल्यूएचओ ने एक रिपोर्ट में कहा।

÷25 अगस्त 2022 तक, 33+ मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं। 6.4+ मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की सख्त जरूरत है, जिसमें 421 000 शरणार्थी शामिल हैं। एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 15000 लोग घायल हुए हैं, संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा .

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अभूतपूर्व बाढ़ की स्थिति से देश में स्वास्थ्य सुविधाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

÷28 अगस्त, 2022 तक, देश में 888 स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिनमें से 180 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों, और आवश्यक दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति तक पहुंच अभी के लिए मुख्य स्वास्थ्य चुनौतियां हैं।÷ डब्ल्यूएचओ ने कहा।

वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने कहा कि देश की स्वास्थ्य प्रणाली पहले से ही ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 सहित कई समवर्ती स्वास्थ्य खतरों और हैजा, टाइफाइड, खसरा, लीशमैनियासिस और एचआईवी के प्रकोप से जूझ रही है।

वर्तमान बाढ़ से पहले भी, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में काफी असमानता थी। वर्तमान स्थिति से रोग के प्रसार में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है, खासकर यदि प्रतिक्रिया क्षमता बाधित होती है।

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) ने कहा कि मंगलवार को, ÷2022 पाकिस्तान बाढ़ प्रतिक्रिया योजना (एफआरपी)÷ पाकिस्तान सरकार और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से इस्लामाबाद और जिनेवा में शुरू की गई थी।

ओसीएचए ने एक बयान में कहा कि एफआरपी को विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की पृष्ठभूमि में शुरू किया जा रहा है, जिसने पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में 33 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित किया है।

अवैध रेत उत्खनन एवं भण्डारण पर की गई जप्ती की कार्यवाही

-संवाददाता-

बलरामपुर 02 सितम्बर 2022 (घटती घटना)।

जिले के वाड्रफनगर अनुभाग में रेत के अवैध उत्खनन एवं भण्डारण के संबंध में शिकायत मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री दीपक निकुंज के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा जब्ती की कार्यवाही की गई। वाड्रफनगर के समीप मोरन नदी में अवैध रूप से रेत उत्खनन के संबंध में शिकायत मिल रही थी, जिस पर कार्यवाही करते हुए पिछले दिनों 02 ट्रैक्टरों पर कार्यवाही भी की गई थी। इसी तारतम्य में आज कैलाशपुर में लगभग 160 घन मीटर तथा करमडीहा 'ब' में लगभग 150 घन मीटर अवैध भण्डारित रेत को जब्त कर ग्राम सरपंच के सुपुर्द किया गया तथा आगे की कार्यवाही हेतु खनिज विभाग को प्रकरण प्रेषित कर दी गई है। विदित हो कि राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

शासकीय क्वॉर्टर से पांच लाख रुपए के जेवरात ले उड़े चोर

-संवाददाता-

रामानुजगंज 02 सितम्बर 2022(घटती घटना)।

कभी अपराध नियंत्रण कहे जाने वाला रामानुजगंज में अब अपराधों की श्रृंखला लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन चोरी की वारदातों से नगरवासी सहमे हुए हैं। वैसे देखा जाए तो विगत कई महीनों के अंदर कई चोरी की घटनाएं घटित हो चुकी हैं लेकिन अभी तक चोर पुलिस पकड़ से बाहर बताई जा रही है। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 9 में एसडीएम गौतम सिंह के बंगला के सामने एवं आर एस एस के जिला संचालक सुभाष जायसवाल के घर के बगल में स्थिति शासकीय क्वार्टर में निवासरत कर्मचारी के घर से पांच लाख रुपए की लागत से बने हुए सोने के जेवर को चोरों ने पार कर दिया। यह वही स्थान है जहां 12 अगस्त की रात को चोरों ने विनोद साइकिल दुकान के खड़े मारुति सुजुकी वैन इको को निशाना बनाते

हुए साइलेंसर की चोरी कर ली जिसकी लागत 95000 रुपये बताई जा रही थी उसी रात पांच और साइलेंसर की चोरी हुई थी।

पांच लाख रुपए के जेवर चोरी का यह है पूरा मामला

बताया जा रहा है कि लोक निर्माण विभाग में कार्यरत कर्मचारी अपने पत्नी को लेकर हरितालिका तीज व्रत के पूजन हेतु बाहर गया हुआ था इसी बीच सुने घरों में धावा बोलते हुए सोने से बने हुए आभूषणों में मंगलसूत्र झुमका हार मांग टीका नथिया एवं अंगूठी सहित अन्य आभूषण जिसकी लागत लगभग पांच लाख रुपए बताई जा रही है। जिसे चोरों ने पार कर दिया।

चोरी के मामले में ऐसे हुआ खुलासा

वही शासकीय क्वार्टर के बगल में संचालित नाइ दुकान के संचालक ने देखा कि इन लोग तो बाहर गए हुए हैं और दरवाजा खुला पड़ा है जब उसने देखा और आवाज लगाया तो पता चला कि अंदर कोई भी नहीं है उक्त मामले की जानकारी उसे फोन पर दी गई। क्वार्टर मालिक ने तत्काल कुछ घंटों के अंदर पहुंच गया और घर की तलाशी की तो पता चला कि घर में रखे हुए लाकर को तोड़कर लगभग पांच लाख रुपए की लागत से बने हुए जेवर गायब है इसकी सूचना रामानुजगंज पुलिस थाने में दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 457 एवं 380 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर

कोरबा पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह को फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड 2021 से किया गया सम्मानित

-संवाददाता-

कोरबा 02 सितम्बर 2022(घटती घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह को सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर फिक्की अवार्ड से सम्मानित किया गया है

संतोष सिंह के साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर प्रशांत अग्रवाल एवं डीआईजी सीआईडी श्रीमती हिमानी खन्ना को यह प्रतिष्ठित अवार्ड प्राप्त हुआ है । (भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की)) पिछले कई वर्षों से देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस एवं केंद्रीय पुलिस संगठनों द्वारा नवाचार कर, किए जा रहे अच्छे कार्यों के लिए कुछ चुने हुए पुलिस अधिकारियों को प्रतिवर्ष स्मार्ट पुलिसिंग अवॉर्ड्स प्रदान करता है । इस वर्ष फिक्की ने देश भर के स्मार्ट पुलिसिंग के चुने कुल 29 श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों/पुलिस अधिकारियों में छत्तीसगढ़ पुलिस के 03 पुलिस अधिकारियों एसएसपी रायपुर प्रशांत अग्रवाल, एसपी कोरबा संतोष सिंह व डीआईजी सीआईडी हिमानी खन्ना को शामिल कर उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिल्ली में ट्राफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया है ।संतोष सिंह को रायगढ़ पदस्थापना के दौरान बाढ़ पीड़ितों की मदद हेतु चलाए गए संवेदना अभियान के लिए , प्रशांत अग्रवाल को उनके बिलासपुर में चलाए गए साइबर जागरूकता हेतु साइबर मितान अभियान के लिए और हिमानी खन्ना को वृद्धजन सुरक्षा हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए गए समर्पण अभियान के लिए यह अवार्ड दिया गया ।

संघ आश्रम नाम से जाना जाएगा आरएसएस का बनने वाला कार्यालय

-संवाददाता-

रामानुजगंज 02 सितम्बर 2022(घटती घटना)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार का आगमन हुआ। उन्होंने स्थानीय गांधी मैदान में शाखा के माध्यम से स्वयं सेवकों से मुलाकात कर कई विषयों पर चर्चा की। तत्पश्चात उन्होंने संघ कार्यालय के लिए उन्होंने भूमि पूजन किया उक्त कार्यालय सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में बनाए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने ने कहा कि संघ के पास न कोई संपत्ति है और न ही कोई थाती है। संघ कुछ नहीं करता समाज सब कुछ करता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि संघ की सारी शक्ति समाज मे निहित है। उन्होंने कहां की अपना संपूर्ण जीवन संघ को समर्पित करने वाले कई प्रचारकों की लंबी श्रृंखला हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में हिदुत्व की अलख जगा रहे हैं। इस अवसर पर जिला संचालक सुभाष जयसवाल,जिला संपर्क प्रमुख सुनील कुमार गुप्ता,जिला प्रचारक आत्मशरण उपाध्याय,विभाग प्रचारक हेमंत नाग,नगर संपर्क प्रमुख पवन पांडे,नगर शारीरिक प्रमुख कृष्णा गुप्ता,सरस्वती शिशु मंदिर के व्यवस्थापक रमन अग्रवाल,अशोक केशरी,रमेश अग्रवाल,अजय केशरी,अश्वनी गुप्ता,अजय यादव, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आखिर क्यों नहीं बुलाई जाती व्यापार संघ की बैठक

» कहीं वर्तमान पदाधिकारियों को हटाये जाने का डर तो नहीं?
» स्थानीय व्यापार संघ से उठ गया है व्यापारियों का विश्वास?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 02 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नित नये नये कारनामे और दूसरों के काम में अडंगा करने वाला शहर का व्यापार संघ सिर्फ और सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्व करने तक सीमित रह गया है, इस संघ से स्थानीय व्यापारियों का भरोसा उठ गया है, व्यापारी वर्ग चाहता है कि संघ की बैठक बुलाई जाए जहां पर सभी बिंदुओं पर चर्चा और न ए सिरे से गठन हो लेकिन जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा जानबुझकर बैठक का आयोजन नही किया जाता,जाहिर सी बात है कि शहर का एक छोटा व्यापारी इतना सक्षम नही है कि वह बैठक का आयोजन कर सके इस कारण व्यापार संघ के पदाधिकारी अपने मनमानी पर ऊतारू हैं।

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि शहर में लगभग 3 वर्ष पूर्व चौड़ीकरण के मुद्वे पर स्थानीय व्यापारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कि सबसे अहम था कि इसके पहले व्यापारियों को यह नही बतलाया गया था कि व्यापार संघ का भी गठन किया जाएगा लेकिन व्यापारियों की उक्त बैठक में एक षडयंत्र के तहत व्यापार संघ के गठन की बात सामने आ गई और पूर्व नियोजित कहानी के अनुसार कुछ पदाधिकारियों का मनोनयन भी कर लिया गया इस बात की जानकारी जब शहर के वरिष्ठ और अन्य व्यापारियों को हुई तो इन्होनें इसे गलत करार दिया और कहा कि जब संघ का गठन किया जाना था तो इसकी पूर्व सूचना सभी व्यापारियों को दी जानी चाहिए थी उक्त बैठक में शहर के 50 प्रतिषत भी व्यापारी शामिल नही थे। और तो और सबसे मजे की बात है कि शहर का व्यापार संघ पंजीकृत भी नही है जिसकी आड़ में कुछेक पदाधिकारी अपना उल्लू सीधा कर रहे है। गैर पंजीकृत व्यापार संघ के नाम पर अधिकारियों की आंख में धूल झोंकने का काम व्यापार संघ के चंद पदाधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

दोबारा नहीं हुई व्यापार संघ की बैठक

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि व्यापार संघ की बैठक लगभग 3 साल पहले हुई थी जिसमें गिनती के व्यापारी ही शामिल थे उसके बाद संघ के नाम पर एक व्हाट्सप ग्रुप बना लिया गया है। उसी ग्रुप में मनमुताबिक सूचना व्यापारियो के सलाह बगैर डाल दी जाती है। कुछ ऐसे भी निर्णय थोप दिए जाते हैं जिनसे कि अधिकतर व्यापारी वर्ग अंजान होता हे। एक बार की बैठक के बाद दोबारा संघ की बैठक भी नही बुलाई गई। तो वहीं कुछ जानकारों का कहना है कि शहर के व्यापार संघ को स्थानीय व्यापारियों का विष्वास हासिल नही है गिनती के पदाधिकारी अपने मन मुताबिक प्रायवेट लिमिटेड की तरह संघ का संचालन कर रहे हैं और उन्हे डर है कि यदि संघ की बैठक बुलाई गई तो उन्हे पद से हटा दिया जाएगा ऐसे में काफी व्यक्तिगत नुकसान उठना पड़ेगा। आखिर में संघ के कुछेक पदाधिकारी जो कि अधिकारियों के सामने खुद को व्यापार संघ को सर्वेसर्वा बताकर उन पर दबाव बनाते हैं खुद को व्यापारियों को सबसे बड़ा हितैषी बतलाकर खुद का हित साध रहे हैं वे यदि पद से हट जाएं तो उन्हे अपना हित साधने मे दिक्कत होगी। इसलिए जानबुझकर संघ की बैठक नही बुलाई गई जिससे कि व्यापारियों में खासी नाराजगी देखने को मिलती है। स्थानीय व्यापारियों को कहना है कि जब कई सूचनाएं ग्रुप में डाली जाती है तो आखिर में ऐसी क्या बात है कि संघ की बैठक का आयोजन नही किया जाता। उल्लेखनीय है कि शहर में काफी वरिष्ठ और ऐसे व्यापारी भी हैं जो कि व्यापार संघ की बागडोर बहुत अच्छे से निःस्वार्थ संभाल सकते हैं लेकिन एक वर्ग है जो चाहता है कि संघ की कमान उनके पास ही रहे इस वजह से बैठक बुलाना जरूरी नही समझा जा रहा है।

संघ के अध्यक्ष की सफाई में भी व्यापारियों को संदेह

विगत दिनों घटती घटना अखबार ने व्यापार संघ के नाम पर जो गड़बड़ी की जा रही है और अधिकारियों पर सप्लाई आदि के लिए दबाव बनाया जा रहा है इस बात की खबर प्रकाषित की गई थी जिसके बाद उसे लेकर व्यापार संघ के अध्यक्ष द्वारा काफी लंबा चौड़ा मैसेज लिखकर सफाई दिया गया था उसमें यहां तक दावा किया गया था कि संघ का सदस्य प्रत्येक कार्य के लिए खुद सक्षम भी है लेकिन सवाल यह उठता है कि संघ के चुनिंदा पदाधिकारियों के अलावा कोई भी व्यापारी कभी शासकीय कार्यालयों में सप्लाई के नाम पर घूमते नही देखा गया है। शहर के व्यापारी अंजान हैं कि उनके नाम पर बनाए गए संघ के नाम पर खुद के स्वार्थ से जुड़ा आखिर क्या-क्या काम कुछेक जिम्मेदार पदाधिकारी कर रहे हैं। अखबार में खबर प्रकाषन के तत्काल बाद जिस प्रकार संघ के अध्यक्ष द्वारा खुद को पाक साफ साबित करने के लिए सफाई दिया गया उस पर भी स्थानीय व्यापारियों को संदेह है। स्थानीय छोटे और सीधे साधे व्यापारी वर्ग का मानना है कि एक ऐसे व्यक्ति को संघ का अध्यक्ष जबरन बनाकर थोप दिया गया है जो कि हमेषा से ही गरीब और छोटे व्यापारी वर्ग को दबाकर रखने का प्रयास करता है। आज स्थिति यह हो गई है कि शहर मे यदि किसी के द्वारा व्यापार करने का प्रयास किया जाता है तो जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा उसे तरह-तरह से परेषान किया जाता है। सिर्फ और सिर्फ इसलिए कि दूसरे व्यापारी के आ जाने से संबंधित का व्यापार प्रभावित होता है। हलांकि उसके कृत्य की जानकारी स्थानीय व्यापारियों को नही होती है और व्यापारी वर्ग भी खुद को इन सबसे दूर रखकर सिर्फ और सिर्फ व्यापार करना चाहता है लेकिन एक वर्ग है कि उसे व्यापार के साथ-साथ शहर में कौन व्यापार करेगा कौन नही यह सब तय करने में ज्यादा ही दिलचस्पी होती है।

अवैध कारोबार पर त्वरित कार्यवाही के लिए भाजपा चिरमिरी मंडल ने नगर निरीक्षक को सौंपा ज्ञापन

सात दिवस में कार्यवाही नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 02 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अवैध कारोबार कोयला, कबाड़, गांजा, शराब, सट्टा के खिलाफ त्वरित कार्यवाही किए जाने को लेकर भाजपा चिरमिरी मंडल द्वारा नगर निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। 7 दिवस में कार्यवाही नही होने पर भाजपा करेगी उग्र आंदोलन।

भाजपा चिरमिरी मंडल अध्यक्ष रघुनन्दन यादव के नेतृत्व में गत दिवस चिरमिरी थाना प्रभारी को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि चिरमिरी कोयलांचल नगरी है यहां हर तरफ कोयला उपलब्ध है। कई खदानों को एसईसीएल के द्वारा कई कारणों से बंद कर दिया गया है। लेकिन उन्ही बंद खदानों से प्रतिदिन सैकड़ो लोगों के द्वारा कई टन कोयला छोटी बड़ी वाहनों के माध्यम से तस्करी कर लिया जा रहा है। साथ ही कबाड़ गिरोह के द्वारा चिरमिरी क्षेत्र के एसईसीएल व प्राईवेट क्षेत्रों में रात के समय अवैध रूप से लोहे के स्क्रैप काटने का काम किया जा रहा है। जिसका सीधा उदाहरण कोरिया साइडिंग, वेस्ट चिरमिरी कॉलरी व डोमनहिल देवा खदान के पास एसईसीएल के बंकर व अन्य लोहे के स्ट्रक्चर एक साल पहले तक देखने को मिलते

थे लेकिन आज नजर ही नही आ रहे है। इसके साथ ही सार्वजनिक उपयोग की चीजें पाईप लाईन, विद्युत सप्लाई से जुडी लोहे की सामग्रीयों की चोरी जारी है। इससे साफ नजर आता है कबाड़ गिरोह किस हद तक चिरमिरी में अपने अवैध करोबार को फैला चुका है। जिससे राष्ट्रीय सम्पत्ति के साथ ही आम जनों को भी नुकसान पहुंचाने का काम कबाड़ माफियाओं के द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। पूरे क्षेत्र में जनचर्चा का विषय है कि कोयला व कबाड़ के इस संगठित अवैध करोबारियों के समक्ष शासन प्रशासन केवल मुक दर्शक की भूमिका में रह गया है। इसके साथ ही संपूर्ण चिरमिरी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों व मोहल्लों में गांजा, दारू व सट्टे का अवैध करोबार काफी जोरो से चल रहा है। जिसके कारण गांजा व शराब से जहां युवा पीढ़ी ग्रसित हो रही है तो वहीं दूसरी ओर अवैध शराब के कारण कई परिवारों के सामने जीवन यापन की समस्या आ चुकी है। ये सभी कारोबार चिरमिरी क्षेत्र में काफी पैर पसार चुका है जिसपर त्वरित कार्यवाही किया जाने की आवश्यकता है। पत्र में मांग करते हुए कहा गया है कि कोयला, कबाड़, गांजा, शराब, सट्टा माफियाओं के उपर त्वरित कार्यवाही करने के साथ ही चिरमिरी क्षेत्र में शांति व्यवस्था व सामाजिक समरस्ता को बनाये रखने का कार्य किया जाना उचित होगा। अन्यथा इन अवैध धंधो पर 7 दिवस के भीतर कार्यवाही न होने पर भारतीय जनता पार्टी चिरमिरी मंडल द्वारा थाना घेराव कर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रघुनंदन यादव, महामंत्री सतनारायण सिंह, भगवान परिडा, तहसीलदार यादव, श्रीमती इंदु पनेरिया, श्रीमति रजनी तिवारी, गंगा सक्सेना, बबलू डे, मनदीप गिरी, राजू नायक, मिंगू उपस्थित रहे।

सूचना

मैं मेसर्स राजेश मिश्रा यह सत्यापित करता हूं कि मेरे नाम से ग्राम पंचायत केवरा तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर के निजी भूमि खसरा क्रमांक 1063/2, 1063/3, 1064/2, एवम 863/4 रकबा 0.57 हे0 क्षेत्रफल पर खनिज रेत भण्डारण अनुज्ञा पत्र मात्रा 14250 टन का अवधि दिनांक 03/06/22 से 02/06/2025 तक स्वीकृत है।
मेरे द्वारा विधिवत रेत भण्डारण कर रायल्टी भुगतान उपरांत अभिपरिवहन पास के माध्यम से विधिवत रेत परिवहन किया जा रहा है।
वेब पोर्टल न्यूज प्लस21 डॉटकाम में प्रकाशित दिनांक 31/08/22 को प्रकाशित खबर मुख्यमंत्री के आदेश का हो रहा है उलंघन बेखौफ होकर रेत माफिया कर रहे अपनी मनमानी जिम्मेदार अधिकारी मोन में उल्लेखित तथ्य निराधार एवं तथ्यहीन है। अतः मैं इसका पूर्णतः खण्डन करता हूं।

खण्डनकर्ता
राजेश मिश्र
ग्राम केवरातहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर

सूचना

मैं मेसर्स अनुप कुमार विश्वास यह सत्यापित करता हूं कि मेरे नाम से ग्राम पंचायत सेमरा खुर्द तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर के निजी भूमि खसरा क्रमांक 366 रकबा 0.59 हे0 क्षेत्रफ ल पर खनिज रेत भण्डारण अनुज्ञा पत्र मात्रा 15.000 टन का अवधि दिनांक 09/06/22 से 08/06/2027 तक स्वीकृत है।
मेरे द्वारा विधिवत रेत भण्डारण कर रायल्टी भुगतान उपरांत अभिपरिवहन पास के माध्यम से विधिवत रेत परिवहन किया जा रहा है।
वेब पोर्टल न्यूज प्लस 21 डॉटकाम में दिनांक 31/08/22 को प्रकाशित खबर मुख्यमंत्री के आदेश पर हो रहा है उलंघन बेखौफ होकर रेत माफिया कर रहे अपनी मनमानी जिम्मेदार अधिकारी मोन में उल्लेखित तथ्य निराधार एवं तथ्यहीन है। अतः मैं इसका पूर्णतः खण्डन करता हूं।

खण्डनकर्ता
अनुप कुमार विश्वास
ग्राम सेमरा खुर्द तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर

स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय शिक्षकों के 04 पद प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरे जायेंगे

बलरामपुर 02 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि संस्था में अध्यापन कार्य हेतु शिक्षकों के 04 पद तथा कक्षा 1ली से 8वीं तक छात्रों के 167 सीट रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि अध्यापन कार्य के लिए जीव विज्ञान के 01, कृषि संकाय के 02 तथा कम्प्यूटर शिक्षक के 01 पद भरने हेतु प्रतिनियुक्ति के माध्यम से किया जाना है। संस्था में सेवा प्रदान करने हेतु जिले में कार्यरत संबंधित विषय के शिक्षक से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 08 सितम्बर 2022 तक सहमति पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

रोड सेफ्टी वर्ल्डसीरीज में इंडिया लीजेंड्स के कप्तान होंगे तेंदुलकर

मुंबई ,02 सितंबर 2022। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर आठ सितंबर को शुरू होने वाली रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़-2 में एक बार फिर गत चैंपियन इंडिया लीजेंड्स की कप्तानी करेंगे।

यह टूर्नामेंट कानपुर, रायपुर, इंदोर और देहरादून में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच कानपुर में खेला जाएगा जबकि सेमीफाइनल और फाइनल रायपुर में आयोजित होंगे।

न्यूज़ीलैंड लीजेंड्स इस सत्र की नयी टीम है जो भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज़, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ 22-दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ सीज़न-2 के बारे में कहा, रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने की एक बहुत अच्छी पहल है। हम चाहते हैं कि इस देश का हर व्यक्ति जागरूक हो और सड़क पर रहते हुए हर नियम का पालन करे। ऐसा मुमकीन करने के लिए हमें लोगों के बीच जागरूकता पैदा करनी होगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह श्रृंखला भारतीय सड़कों पर जीवन बचाने के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होगी।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस आयोजन की सफलता की कामना करते हुए कहा, मुझे यकीन है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज़ सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देगी और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों की मानसिकता को प्रभावित करने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगी।

बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख ने यह भी कहा कि वह यह जानकर बेहद खुश हैं कि ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और मेजबान भारत आठ देशों के दिग्गज इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे हैं।

अबू धाबी में खेला जाएगा महिला टी 20 विश्व कप क्वॉलीफायर

दुबई ,02 सितंबर 2022। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का क्वॉलीफायर कार्यक्रम जारी किया।

अबू धाबी में होने वाले क्वॉलीफायर में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें से सिर्फ दो टीमें ही अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टी20 विश्व कप में जगह बना सकेंगी।

मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 18 से 25 सितंबर तक चलने वाली प्रतियोगिता के पहले मैच में थाइलैंड का सामना करेगी।

इसके अलावा ज़िम्बाब्वे, पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी), बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और अमेरिका भी टी20 महिला विश्व कप में जगह बनाने के लिये दावेदारी पेश करेंगे।

आईसीसी इवेंट्स के प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, टी20 विश्व कप क्वालीफायर एक शानदार आयोजन होने जा रहा है, जिसमें आठ करीबी टीमें अगले साल दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में सिर्फ दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। महिलाओं के खेल में प्रतिस्पर्धा का स्तर पिछले चार वर्षों में काफी बढ़ गया है और अबू धाबी में प्रत्येक आईसीसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के साथ यह एक कठिन लड़ाई वाली घटना होगी।

बांग्लादेश और थाईलैंड ने जहां पिछले टी20 विश्व कप में अंतिम दो टीमें होने के नाते क्वॉलीफायर में जगह बनायी है, वहीं अन्य छह टीमें स्थानीय क्वालीफायर जीतकर यहां पहुंची हैं।

स्कॉटलैंड (यूरोप), संयुक्त अरब अमीरात (एशिया), यूएसए (अमेरिका) और जिम्बाब्वे (अफ्रीका) ने अपनी क्षेत्रीय क्वालीफायर प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है। दूसरी ओर, पीएनजी (पूर्वी एशिया प्रशांत) और आयरलैंड ने अपने-अपने समूह की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम होने के नाते यहां जगह बनायी है।

विश्व कप मे जो भी सामने हो,अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे:हरमनप्रीत

बेंगलुरु ,02 सितंबर 2022। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिये आठ सितंबर को जारी होने वाले ड्रॉ से पहले कहा कि मुकाबला जिससे भी हो, टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देगी।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिए पूल ड्रा आठ सितंबर को जारी होंगे, जो यह निर्धारित करेंगे कि पूल स्टेज में कौन सी टीम किसका सामना करेगी।

हरमनप्रीत ने कहा, हम विश्व कप के ड्रा पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हमें मैच खेलना है और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, चाहे हम किसी का भी सामना करें। हमें अपना खेल और अपनी ताकत दिखानी होगी और सकारात्मक परिणाम हासिल करने होंगे। हमें अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर रखना है न कि उन चीजों पर जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं।

हरमनप्रीत ने 13 जनवरी 2023 को शुरू होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की तैयारी में आगामी खेलों के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि टीम बेंगलुरु में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में मैच को बेहतर तरीके से समाप्त करने पर काम करेगी।

उन्होंने कहा, हमारे पास हमारे अभ्यास सत्र होंगे, और हमारा प्राथमिक ध्यान हमेशा मैच समाप्त करने की क्षमता और खिलाड़ियों के बीच समन्वय और संयोजन में सुधार करने पर होगा। हम इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि हम गेंद को डिफेंस से अटैक की ओर ले जाते हुए अपने समय में कैसे सुधार कर सकते हैं।

हरमनप्रीत ने कहा, हर मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य हमेशा हर मैच जीतना रहा है। विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। इसलिए, टूर्नामेंट से पहले हमें जितने अधिक मैच खेलने को मिलेंगे, उतना ही हमारे लिए फायदेमंद होगा।

लाइव मैच के दौरान राफेल नडाल ने नाक पर दे मारा रैकेट

फीजियो, ,02 सितंबर 2022। यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मैच खेल रहे राफेल नडाल ने अपनी ही गलती की वजह से नाक पर चोट लगा दी। राफेल के नाक पर चोट लगने से उनका काफी खून बहने लगा। नडाल यूएस ओपन में फैबियो फोगनिनी के खिलाफ खेल रहे थे तभी ये हादसा हो गया। नाक पर चोट लगने से नडाल की नाक से लगातार खून निकल रहा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल ने फैबियो फोगनिनी पर 2-6, 6-4, 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। तीन सेट खेलने के बाद चौथे सेट में गलती से उन्होंने एक शॉट बचाने के प्रयास में अपने ही रैकेट से नाक पर चोट लगा दी, जिससे उनकी नाक से खून बहने लगा। उनके चोट लगने से स्टेडियम में अजीबोगरीब स्थिति बन गई और पांच मिनट तक खेल को रोक दिया गया। नडाल ने तुरंत गी दोनों हाथों से अपना मुंह ढक दिय। बता दें कि नडाल के साथ ऐसा पहले भी हो चुका है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्रकारों से कहा, 'गोल्फ कोर्स में ऐसा हुआ था लेकिन टेनिस रैकेट से पहले ऐसा कभी नहीं हुआ. शुरू में मुझे थोड़ा चक्कर जैसा आया. तब हल्का दर्द हो रहा था'।

सेरेना यूएस ओपन के तीसरे दौर में,फर्नांडीज और सकारी बाहर

न्यूयॉर्क, ,02 सितंबर 2022। सेरेना विलियम्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन 2021 की उपविजेता लेला फर्नांडीज और सेमीफाइनलिस्ट मारिया सक्कारी दूसरे दौर से बाहर हो गई। यूएस ओपन के बाद सन्यास लेने के संकेत दे चुकी 40 वर्षीय सेरेना ने दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटेविट को 7-6 (4), 2-6, 6-2 से हराया। इससे यह तय हो गया कि वह कम से कम अभी एक मैच और खेलेंगी। महिला एकल में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों का बाहर होना जारी रहा।

पिछली दो चैंपियन नाओमी ओसाका और एम्मा राडुकानू पहले ही बाहर हो चुकी हैं और अब इस सूची में फर्नांडीज और सक्कारी का नाम भी जुड़ गया है। सक्कारी को दूसरे दौर में चीन के वांग शियू ने 3-6, 7-5, 7-5 से हराया जबकि एक साल पहले फाइनल में राडुकानू से हारने वाली 14वीं वरीय फर्नांडीज को ल्यूडमिला सैमसोनोवा ने 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया।

बारहवीं वरीयता प्राप्त कोको गॉफ और 20वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को हालांकि आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

अमेरिका की दोनों खिलाड़ी तीसरे दौर में आमने-सामने होंगी। गॉफ ने एलेना गैब्रिएला रुसे को 6-2, 7-6 (4) से, जबकियूएस ओपन 2017 की उपविजेता कीज़ ने कैमिली जियोर्गी को 6-4, 5-7, 7-6 (6) से हराया। पुरुषों के वर्ग में तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन एंडी मर्रे ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करके अमेरिका के एमिलियो नवा को 5-7, 6-3, 6-1, 6-0 से हराया। उनका अगला मुकाबला अब 13वीं वरीयता प्राप्त मैटियो बैरेट्टिनी से होगा। एक अन्य मैच में निक किर्गियोस ने फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी को 7-6 (3), 6-4, 4-6, 6-4 से शिकस्त दी। महिला एकल में ओन्स जबूर ने 1985 के चैंपियन हाना मांडलिकोवा की बेटी एलिजाबेथ मांडलिक पर 7-5, 6-2 से जीत दर्ज की। अब वह 31वें नंबर की अमेरिकी शेल्बी रोजर्स से भिड़ेंगी जिन्होंने विक्टोरिया कुजमोवा को 7-5, 6-1 से हराया।

सोनाक्षी के भाई के निर्देशन में बनी पहली फिल्म में अर्जुन रामपाल शामिल

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल, जिन्हें आखिरी बार कंगना रनौत-स्टारर धाकड़ में प्रतिपक्षी के रूप में देखा गया था, आगामी थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय एंड बुक आफ डार्कनेस में एक कैमियो भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म हाल ही में लंदन में फ्लोर पर गई है और इसकी शूटिंग ब्रिटेन की राजधानी और यूके के अन्य हिस्सों में की जाएगी। कलाकारों में शामिल होने के बारे में बात करते हुए, अर्जुन कहते हैं, इस फिल्म में एक कैमियो करना एक वास्तविक खुशी थी, क्योंकि इसने मुझे परेश रावल के साथ फिर से जोड़ा, जिन्हें मैं प्यार करता हूं, निकी विक्की जिन्हें मैंने बच्चों के रूप में और अब निमार्ता के रूप में देखा है।

साथ ही मैं सिन्हा परिवार से बहुत प्यार करता हूं और कुश को इतना अच्छा काम करते हुए और सोनाक्षी को बिल्कुल अलग अवतार में देखकर बहुत खुश हूं।अभिनेता ने कहा, निकिता रॉय और बुक आफ डार्कनेस एक ऐसी फिल्म होगी, जिस पर ध्यान दिया जाएगा और मैं पूरी टीम को इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं, क्योंकि उनके साथ काम करने में मुझे बहुत मजा आया।

फिल्म में परेश रावल और सुहैल नय्यर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं और सोनाक्षी सिन्हा के भाई कुश एस सिन्हा के निर्देशन में पहली फिल्म है। निकिता रॉय एंड द बुक आफ डार्कनेस निक विक्की भगनानी फिल्म के निकी भगनानी, विक्की भगनानी और अंकुर तकरानी, क्रेटोस एंटरटेनमेंट, निकिता पाई फिल्म्स की किंजल घोने और दिनेश गुप्ता द्वारा निर्मित है। फिल्म के 2023 में रिलीज होने की उम्मीद है।

इमली की बेटी बनेगी मेघा चक्रवती! लीप के बाद शो में करेगी धांसू एंट्री

टीवी के धमाकेदार शो इमली ने लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सुंबुल तौकीर खान और फहमान खान स्टारर इमली लोगों को खूब पसंद आ रहा है, साथ ही सीरियल टीआरपी लिस्ट में भी नंबर चार पर बना हुआ है। लेकिन खास बात तो यह है कि शो में जल्द ही जनरेशन लीप आने वाला है। दरअसल, इमली को 20 साल आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसकी वजह से जहां कुछ पुराने किरदारों की छुट्टी हो जाएगी तो वहीं कुछ नए कलाकारों की एंट्री होगी। इमली के लिए एक हसीना को अप्रोच भी किया गया है, जो पहले भी स्टार प्लस का हिस्सा रह चुकी हैं।

टीवी की यह हसीना कोई और नहीं बल्कि मेघा चक्रवर्ती हैं, जिन्हें इमली के अपकमिंग सीजन के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि उनके किरदार को लेकर अभी तक कुछ साफ नहीं हो पाया है। एंटरटेनमेंट के गलियारे से आ रही खबरों के मुताबिक, मेघा चक्रवर्ती आगे चलकर चीनी का किरदार निभा सकती हैं, लेकिन अभी तक उनकी एंट्री को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न तो मेघा चक्रवर्ती ने और न ही मेकर्स ने मामले पर अभी तक कुछ कहा है।बता दें कि एंटरटेनमेंट के खजाने यानी इमली में 20 साल का जनरेशन लीप दिखाया जाएगा, जिसमें पूरी कहानी इमली के बच्चे के इर्द-गिर्द घूमेगी। मेघा चक्रवर्ती से पहले एक और टीवी कलाकार का नाम सामने आया था जो सुंबुल तौकीर खान के शो इमली का हिस्सा बन सकता है। वह कलाकार कोई और नहीं बल्कि आशय मिश्रा हैं। खबरों की मानें तो वह शो में फहमान खन को रिप्लेस करेंगे, हालांकि उनकी एंट्री पर भी मेकर्स ने चुप्पी साधी हुई है।सुंबुल तौकीर खान और फहमान खान स्टारर इमली को लेकर माना जा रहा था कि जनरेशन लीप की वजह से शो से दोनों कलाकारों की छुट्टी हो जाएगी। लेकिन अब खबर आ रही है कि केवल फहमान खान इमली को अलविदा कहेंगे। हालांकि उनकी रिप्लेसमेंट से फैंस जरा भी खुश नहीं हैं।

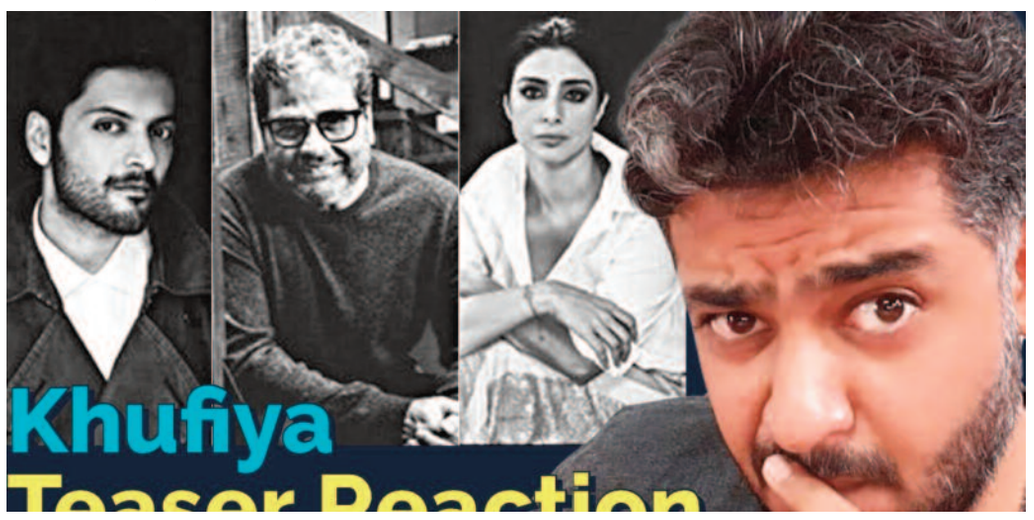

तब्बू की फिल्म खुफिया का फर्स्ट लुक रिलीज,सस्पेंस से भरपूर हैं सभी किरदार

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की आने वाली फिल्म खुफिया का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म खुफिया में तब्बू, अली फजल, आशीष विद्यार्थी और वामिका गब्बी की अहम भूमिका है। विशाल भारद्वाज निर्मित इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। 0.47 सेकेंड के इस टीजर में फिल्म के सभी किरदारों की पहली झलक देखने को मिलती है, जिसमें सभी किरदार सस्पेंस से भरपूर दिखाए गए हैं। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए लिखा,जो रहस्य बना हुआ है, उसके बारे में हम सिर्फ यही बता सकते हैं कि हम जल्दी ही नेटफ्लिक्स पर आएंगे। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी तक सामने नहीं आई है।

फिल्म खुफिया रॉ की काउंटर एस्पियनेज यूनिट के पूर्व चीफ अमर भूषण की नॉवेल ' एस्केप टू नो वेयर पर आधारित है। यह एक ऐसे स्पाई की कहानी है जिसे एक बहुत बड़ा मिशन सौंपा जाता है। तब्बू ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में, मैं हमेशा अलग-अलग कहानियों और कथाओं का हिस्सा बनना चाहती हूं। नेटफ्लिक्स के खुफिया में मैं जिस किरदार को निभा रही हूं, उसके साथ मैं एक बहुत ही अलग कहानी का पता लगाने के लिए बेहद भाग्यशाली रही हूं।

फोटोशूट के लिए बोल्ड हुईं महादेव फेम पूजा बनर्जी,जमीन पर बैठ दिए ऐसे-ऐसे पोज

टीवी शो देवों के देव महादेव में माता पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई एक्ट्रेस पूजा बनर्जी का परिचय देने की जरूरत नहीं रह गई है. अपने एक्टिंग करियर में कई वह शोज का हिस्सा रह चुकी हैं, लेकिन पूजा को कोई खास लोकप्रियता हासिल नहीं हो पाई. हालांकि, इसके बावजूद वह लाइमलाइट से दूर नही हैं. पिछले लंबे वक्त से वह अपनी बोल्डनेस के कारण काफी चर्चा में रहने लगी हैं.

सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं पूजा एक्ट्रेस ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. ऐसे में अब उनके फैंस को भी बेसब्री से उनके नए लुक्स का इंतजार रहने लगा है. पूजा अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. वह लगभग हर दिन अपनी तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं. अब फिर से पूजा के नए अवतार ने उनके चाहने वालों के होश उड़ा दिए हैं.

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में पूजा को पिंक कलर की थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहने देखा जा सकता है. इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने न्यूड मेकअप किया है और बालों को खुला छोड़ा हुआ है. इसके साथ पूजा ने हील्स पेयर किए हैं. यहां वह अलग-अलग पोज देती दिखाई दे रही हैं.

अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

फेडरेशन ने सीएम बघेल की अपील और मध्यस्थता बैठक के बाद लिया फैसला

रायपुर, 02 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ में अधिकारी-कर्मचारियों का हड़ताल खत्म हो गया है. कृषि मंत्री रविंद्र चौबे की मध्यस्थता बैठक के बाद फैसला लिया गया है. दो सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे थे. कल कमर्चारियों की 5 घंटे बैठक हुई थी.

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर मुख्य सचिव से चर्चा हुई थी. मंत्री से बात के बाद कोर कमेटी की बैठक हुई थी. हड़ताल से लोगों को परेशानी हो रही थी. मुख्यमंत्री बघेल की अपील को स्वीकार करते हुए हड़ताल खत्म कर दिया गया है.

इसके पहले डीए के सवाल पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा था कि क्या महंगाई किसानों के लिए नहीं है, मजदूर के लिए नहीं है, पत्रकारों के लिए नहीं है, आम जनता के लिए नहीं है.

हम शनिवार रविवार छुट्टी दे रहे हैं, ओल्ड पेंशन स्कीम भी लागू भी की है. मैं फिर से अपील करता हूं, काम पर वापस आएं कर्मचारी. हम शिक्षकों की लगातार भर्ती कर रहे हैं, पुलिस में भी लगातार भर्ती हो रही है.

कमल वर्मा ने कहा कि हमने तय किया है कि हड़ताल वापस लेंगे, कर्मचारियों की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी चाहते थे, संघ के अध्यक्ष कमल वर्मा ने खेद व्यक्त किया कि हमारे आंदोलन से आम जनता परेशान रही. साथ ही उन्होंने आम जनता से क्षमा मांगा. स्कूल भी प्रभावित हुए हैं, हमारे पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था, इसलिए हमने ये रास्ता अपनाया.

कमल ने कहा कि हमें गर्व है मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर, जिन्होंने पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया. मुख्यमंत्री के अपील के बाद हमने हड़ताल के स्थगन का फैसला लिया है.

हड़ताल की घोषणा के बाद रविंद्र चौबे ने कहा कि संघ की पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद, मुख्यमंत्री जी की अपील को स्वीकार कर हड़ताल वापस लिया. विभिन्न मांगों को लेकर हमने चर्चा की. मुख्यमंत्री से भी चर्चा हुई थी. मुख्यमंत्री के निर्देश पर फेडरेशन के अध्यक्ष के आग्रह पर सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई. अधिकांश मांगों में सहमति बनी. आंदोलन का स्थगन हुआ है. मंत्री चौबे ने कहा कि आने वाले समय में कर्मचारी अधिकारियों के हितों में जो भी निर्णय सरकार की ओर से आवश्यक होगा, हम लोग निर्णय लेंगे और इसी आश्वासन के उपरांत आंदोलन खत्म हुआ है. आंदोलन की घोषणा के लिए धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

परिवहन विभाग में बड़े पैमाने पर हुआ तबादला

रायपुर, 02 सितम्बर 2022। परिवहन विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला हुआ है. इस तबादले में परिवहन विभाग के निरिक्षक, उप-निरिक्षक, सहायक उप-निरिक्षक प्रधान आरक्षक और महिला आरक्षकों का नाम शामिल है।.

रेणु जोगी की अचानक बिगड़ी तबीयत, आईसीयू में भर्ती

रायपुर, 02 सितम्बर 2022। एक बार फिर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे की सुप्रीमो और कोटा विधायक रेणु जोगी को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुवार दोपहर शुगर लेवल बढ़ने के कारण उन्हें रायपुर के निजी अस्पताल एडमिट किया गया था, लेकिन डॉक्टरों की सलाह के बाद गुरुवार शाम ही फ्लाइट से ही उन्हें दिल्ली के मेदांता अस्पताल रेफर किया गया। अभी आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल स्वास्थ्य में सुधार नहीं आया है डॉक्टर की उनके इलाज में जुटे है।

अमित जोगी ने उनकी माता रेणु जोगी की तबियत खराब होने की सूचना सोशल मीडिया पर भी साझा की है। अमित ने ट्वीट कर लिखा आज मां डॉक्टर रेणु जोगी को मधुमेह (डायबिटीज) के आगामी इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहा हूं। कृपया उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना अवश्य करें। जोगी के इस ट्वीट के बाद से ही उनके समर्थक जल्द स्वास्थ्य होने की कामना कर रहे हैं।

गैलेक्सी कंपनी में भीषण आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर, 02 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र के फेस- 2 गैलेक्सी कंपनी में भीषण आग लगने से अफरा-तफरा मच गई. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों के द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया.

बताया जा रहा है कि आग बुझाने के लिए करीब 8 दमकल की गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। जानकरी के मुताबिक, यह घटना गुरुवार के रात करीब 11 बजे के आसपास की बताई जा रही है. जिस कंपनी में आग लगी है वहां पुराने टायर से ऑयल निकाला जाता है। फ़िलहाल आग कैसे लगी इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

कांग्रेस करेगी दिल्ली कूचः

मोहन मरकाम की अगुवाई में मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला-बोल, स्पेशल ट्रेन से 2000 कार्यकर्ता होंगे रवाना

रायपुर, 02 सितम्बर 2022। पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने दिल्ली महारैली की कमान संभाली है. 135 करोड़ जनता की आवाज बनकर दिल्ली में मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेसी हल्ला-बोल करेंगे. 2000 कांग्रेस कार्यकर्ता आज शाम को दिल्ली जाएंगे. पीसीसी चीफ़ मोहन मरकाम 17 बोगी की स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे.

मोहन मरकाम ने कहा कि मोदी ने बड़े-बड़े वादे किए थे, महंगाई आसमान छू रही है. मोदी सरकार नहीं सुनती है, तो 2024 में गद्दी से बाहर का रास्ता दिखाएंगे. देश की जनता ही गद्दी में बैठाती है और देश की जनता ही बाहर करती है. किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए. 4 सितम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की एक बड़ी महारैली होगी।

वहीं पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने अधिकारी-कर्मचारियों से हड़ताल से वापस लौटने की अपील की है. उन्होंने कहा कि हड़ताल से वापस आइये, सरकार आगे आपके हित में भी फैसले लेगी.

उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारी के हित में फैसले ले रही है. देश में ऐसी सरकार है, जिसने सत्ता आते ही पुरानी पेंशन बहाल किया. 6 दिनों के काम को 5 दिन किया. उसके बाद भी कर्मचारियों को सरकार के फैसले का स्वागत करना चाहिए.

मरकाम ने कहा कि ष्ट बढ़ा दिया है. हम वित्तीय संसाधनों के दम पर अधिकारी कर्मचारी हित में फैसले ले रहे हैं. मेरा उनसे अपील है कि जनता के हित में हड़ताल वापस लें. समय आने पर उनके हित में और फैसले लिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में सीबीआई का छापा, इस्पात संयंत्र के पूर्व सीएमडी के घर दबिश, 5 सदस्यीय टीम खंगाल रही दस्तावेज

दुर्ग, 02 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में सीबीआई की टीम ने दबिश दी है. भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व उप महाप्रबंधक प्रोजेक्ट हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी संतोष कुमार के घर सीबीआई ने छापेमारी की है.

सीबीआई की टीम संतोष शर्मा के सेक्टर- 2 भिलाई स्थित निवास पर आज सुबह-सुबह दबिश दी है. 5 सदस्यीय टीम उनके मकान में दस्तावेजों की छानबीन कर रही है.

बताया जा रहा है कि हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड से संबंधित मामले में सीबीआई की दबिश हुई है. भिलाई के मैत्रीकुंज, तालपुरी और टाउनशिप के सेक्टर-2 में दबिश दी है. सीबीआई ने कार्रवाई को गोपनीय रखा. अधिकारियों ने मीडिया से दूरियां बनाई है।

शासकीय वाहन ने मारी ठोकर,6 लोग घायल

रायगढ़, 02 सितम्बर 2022। शासकीय वाहन की ठोकर से 2 बाईक सवार सहित 6 लोग घायल हुए है. जानकारी के मुताबिक आज दोपहर करीब 1 बजे सारंगढ़ के ग्राम ग्वालिनडीही के पास हुई। दुर्घटना करने वाले वाहन को गांव वालों ने ही रोका, वहां स्थिति अप्रिय होने से पहले पुलिस पहुंच गई।

बताया जा रहा है कि शासकीय वाहन चालक इतनी लापरवाही से वाहन चला रहा था कि उसने बाईक सवारों को देखने के बाद भी ठोकर मार दी। सरकारी वाहन बोलेरो जिसका नंबर सीजी 02 7532 है और उसका वाहन चालक का नाम पता नहीं चला है, लेकिन दुर्घटना के बाद गांव वालों ने ही सरकारी वाहन को रोककर नाराजगी व्यक्त की। मौके पर अगर पुलिस नहीं पहुंचती तो सरकारी वाहन चालक की पिटाई हो सकती थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)